Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -292 रविवार,28 अगस्त 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

अपने कार्य द्वारा तुम कोई भी चमत्कार कर सकते हो।
-स्वामी विवेकानंद-

झारखंड में सियासी संकट

छत्तीसगढ़ में किया जा सकता है विधायकों को शिफ्ट ?

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2022। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज लगातार दूसरे दिन विधायक दल की बैठक बुलाई है. इस बैठक में महागठबंधन यानी आरजेडी और कांग्रेस के विधायकों को भी बुलाया गया है. हेमंत सोरेन ने सुबह 11 बजे से मीटिंग रखी थी, मीटिंग में शामिल होने के लिए विधायकों का पहुंचना शुरू हो गया है.

झारखंड के यूपीए विधायकों को छत्तीगढ़ भेजा जा सकता है. कुछ विधायक मुख्यमंत्री आवास पर बैग और सामान लेकर पहुंचे हैं. इसी को देखते हुए अटकलें लगाई जा रही हैं कि विधायकों को ऐसे प्रदेश में शिफ्ट किया जा सकता है, जहां यूपीए की मजबूत सरकार है. ऐसे में छत्तीसगढ़ में ही विधायकों की शिफ्टिंग की अटकलें लगाई जा रही हैं.

दरअसल हेमंत सोरेन के खनन पट्टे के मामले में चुनाव आयोग ने जांच के बाद अपनी रिपोर्ट झारखंड के राज्यपाल को भेज दी है. इसमें मुख्यमंत्री हेमंत को विधायक पद के लिए अयोग्य ठहराया है. यानी उनकी विधायकी रद्द करने की सिफारिश की है. इसी बीच सीएम हेमंत सोरेन ने भी अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं. उन्होंने ट्वीट कर कहा कि यह आदिवासी का बेटा है. इनकी चाल से हमारा रास्ता न कभी रुका है, न हम लोग कभी इन लोगों से डरे हैं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने बहुत पहले ही हमारे मन से डर-भय को निकाल दिया था. हम आदिवासियों के ह्रद्य में

डर और भय के लिए कोई जगह ही नहीं है. साथ ही सीएम सोरेन ने कहा कि ÷शैतानी ताकतें÷ लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही हैं. लेकिन वह अपने खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे.

लातेहार में एक सरकारी समारोह में सोरेन ने कहा कि वह चिंतित नहीं हैं, क्योंकि उन्हें राज्य पर शासन करने का जनादेश लोगों ने दिया है न कि उनके विरोधियों ने. उन्होंने कहा कि हमारे विरोधी संवैधानिक संस्थानों का दुरुपयोग कर रहे हैं, वह राजनीतिक रूप से हमारे साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं हैं. वे हमारी सरकार को अस्थिर करने के लिए ED, CBI, लोकपाल और Income Ta& का भी इस्तेमाल कर रहे हैं. लेकिन हम इससे कतई चिंतित नहीं हैं.

हेमंत सोरेन को रांची जिले के अनगड़ा ब्लॉक में 0.88 एकड़ ज़मीन का खनन पट्टा मिला था. दस्तावेजों के मुताबिक 28 मई 2021 को हेमंत सोरेन ने आवेदन दिया और उन्हें 15 जून 2021 को मंजूरी मिल गई थी. इसके बाद 9 सितंबर को पर्यावरण विभाग से मंजूरी मांगी गई जो 22 सितंबर को मिल गई. 11 फरवरी 2022 को बीजेपी ने राज्यपाल से मिलकर शिकायत की कि ये लाभ के पद का मामला बनता है और सीएम खुद के नाम से खनन पट्टा नहीं ले सकते. इसके बाद हेमंत सोरेन ने 11 फरवरी 2022 को लीज सरेंडर करके खुद को अलग कर लिया. खनन के धंधे में हेमंत सोरेन सरकार के भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ तब होना शुरू हुआ जब झारखंड की खनन सचिव रह चुकी पूजा सिंघल के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी शुरू की. ईडी को पूजा सिंघल के सीए सुमन कुमार के एक ही ठिकाने से साढ़े सत्रह करोड़ रुपये नकद मिले थे. ये रकम इतनी ज्यादा थी कि गिनने में 14 घंटे का वक्त लग गया था. ईडी सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि पूजा सिंघल और उनके करीबियों के करीब 150 करोड़ रुपये के निवेश का खुलासा हुआ और कई अहम दस्तावेज भी मिले।

सरकारी इंजीनियर के घर से करोड़ों का कैश बरामद, नोटों की गिनती जारी

बिहार, 27 अगस्त 2022। ग्रामीण कार्य विभाग में तैनात एक कार्यपालक इंजीनियर के घर से करोड़ों का कैश बरामद हुआ है. निगरानी टीम ने कार्यपालक इंजीनियर के ठिकानों पर शनिवार को छापेमारी की. इस दौरान घर से करीब 5 करोड़ रुपए नकद बरामद हुए. इसके अलावा भारी मात्रा में गहने और अन्य कीमती सामान भी मिलने की संभावना है. निगरानी टीम ने बिहार के ग्रामीण कार्य विभाग में तैनात कार्यपालक इंजीनियर संजय कुमार राय के किशनगंज और पटना स्थित ठिकानों पर शनिवार को छापेमारी की. नोटों की गिनती जारी है. निगरानी टीम ने भ्रष्ट इंजीनियर संजय राय के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है. शनिवार को उसके किशनगंज और पटना के दानापुर स्थित दो ठिकानों पर छापेमारी की गई. संजय राय किशनगंज प्रभाग में तैनात है. घर से इतनी ज्यादा मात्रा में नोट देखकर एकबार तो निगरानी टीम के अधिकारी भी चौंक गए.

बरामद की गई राशि करीब 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है. हालांकि नोटों की पूरी गिनती होने के बाद ही सटीक राशि के बारे में पता चल पाएगा. किशनगंज में संजय राय के आवास पर निगरानी के 14 अधिकारी मौजूद हैं.।

बीजेपी सांसद के भतीजे की गुंडागर्दी

महिलाओं पर तान दी पिस्टल

फर्रुखाबाद, 27 अगस्त 2022। भाजपा नेताओं की गुंडई का एक वीडियो सोशल वीडियो पर तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में बीजेपी सांसद के भतीजे भाजयुमो जिला महामंत्री से जुड़ा है. वीडियो में सांसद के भतीजे हाथ में पिस्तौल लिए नजर आ रहा है. बताया जा रहा है कि मिट्टी की खुदाई के दौरान पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके बाद ग्रामीणों और राहुल राजपूत के बीच विवाद शुरू हो गया. विवाद मारपीट में तब्दील होने पर भाजपा सांसद के भतीजे ने पिस्टल निकालकर ग्रामीणों पर तान दी.

यह घटना उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद के थाना जहानगंज क्षेत्र के नगला कलार की है. बताया जा रहा है कि बीजेपी सांसद मुकेश राजपूत के भतीजे भाजयुमो जिला महामंत्री राहुल राजपूत यहां अवैध रूप से मिट्टी की खुदाई का काम करा रहे थे. इसी दौरान मिट्टी से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली को निकालते समय रास्ते में पाइप लाइन पड़ी जो ट्रॉली के कारण क्षतिग्रस्त हो गई. इसके बाद ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया. जब राहुल को इस बात का पता चला कि ट्रैक्टर ट्रॉली रोक ली गई है तो राहुल राजपूत मौके पर पहुंच गए. पाइपलाइन टूटने को लेकर विवाद मारपीट तक पहुंच गई. जानकारी के मुताबिक महिलाओं और युवकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी. तभी राहुल राजपूत ने अपनी पिस्तौल निकाली और ग्रामीणों पर तान दी. इस बीच राजपूताना चौकी के एक सिपाही ने राहुल से पिस्तौल ले ली. अब इस घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

रेलवे स्टेशन के पास सूटकेस में मिला 15 साल की नाबालिग का शव

पालघर, 27 अगस्त 2022। महाराष्ट्र के पालघर में नायगांव रेलवे स्टेशन के पास सड़क किनारे से एक सूटकेस बैग बरामद किया गया है जिसमें से एक 15 साल की बच्ची का शव मिला है। अंधेरी की रहने वाली 15 साल की स्कूली छात्रा का शव शुक्रवार को नायगांव रेलवे स्टेशन के पास एक सूटकेस में कंबल में लिपटा मिला। मृतक छात्रा का नाम वंशिता कनैयालाल राठौड़ है और गुरूवार दोपहर से ही लापता थी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दिया है और आरोपी का पता लगाने में जुट गई है। पुलिस ने कहा कि बच्ची का स्कूल खत्म हो गया था और वो घर नहीं लौटी थी। काफी समय बीत जाने के बाद माता-पिता ने अंधेरी थाने में इसकी सूचना दी थी।

वालिव थाने के इंस्पेक्टर राहुलकुमार पाटिल ने कहा किदोपहर करीब तीन बजे नायगांव रेलवे पुलिस की ओर से एक फोन आया जिसमें बताया गया कि नायगांव रेलवे स्टेशन पर बने ब्रिज के पास झाड़ियों के पास एक सूटकेस बैग बरामद किया गया है जिसमें एक लड़की का शव मिला है। पुलिस जब मौके पर पहुंची को बैग में लड़की की लाश पड़ी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, लड़की के पेट पर चाकू के घाव के निशान बने हुए थे। लड़की के शव के अलावा स्कूल बैग और यूनिफॉर्म भी मिला। बैग में तोलिया और कुछ कपड़े भी थे। अंधेरी थाने के अधिकारियों के मुताबिक, लड़की गुरूवार सुबह स्कूल के लिए निकली लेकिन वापस घर नहीं लौटी। माता-पिता ने देरी होने के बाद अंधेरी थाने में बेटी के गायब होने की सूचना दी। लड़की नाबालिग थी जिसके कारण पुलिस को अपहारण का केस दर्ज करना पड़ा। पुलिस ने धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया है और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सोनाली फोगाट हत्याकांड में पुलिस का खुलासा : सुधीर और सुखविंदर ने कबूला ड्रग्स देने की बात,अब तक 4 गिरफ्तार

गोवा , 27 अगस्त 2022। भाजपा नेता और टिक टॉक स्टार सोनाली फोगाट की मौत के मामले में गोवा पुलिस जांच में जुट गई है. वहीं, अब खबर है कि गोवा पुलिस ने कर्लीज क्लब के मालिक और एक ड्रग पैडलर को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने कर्लीज क्लब के बाथरूम से ड्रग्स भी बरामद किया है. इस बात की पुष्टि गोवा के द्भूत ओमवीर बिश्नोई ने की है. इस मामले में अब तक सुधीर सांगवान और सुखविंदर समेत 4 की गिरफ्तारी हो चुकी है.

वहीं गोवा पुलिस को जांच में पता चला है कि जो ड्रग्स सुधीर और सुखविंदर ने खरीदा था. 22 अगस्त की शाम को होटल के बाहर ड्रग्स पैडलर ने लाकर इनको दिया था. चारों आरोपियों का मेडिकल करवाकर उन्हें आज कोर्ट में पेश करके रिमांड पर लिया जाना है. पुलिस चारों आरोपियों से पूछताछ करेगी. पुलिस यह जानने का प्रयास करेगी कि आखिर इनकी मुलाकात कैसे हुई और ये ड्रग कहां से लाया गया.

सोनाली हत्याकांड में गोवा पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है. पुलिस को जांच में पता चला है कि जो ड्रग्स सुधीर और सुखविंदर ने खरीदा था. 22 अगस्त की शाम को द ग्रैंड लियोनी रिजॉर्ट और होटल के बाहर ड्रग्स पैडलर ने लाकर इनको दिया था.

मिली जानकारी के मुताबिक ड्रग्स पैडलर ने इनसे कैश में पासे लिए थे. नार्थ गोवा की वागातौर बीच के पास से एक एटीएम से कैश निकाला गया था. ड्रग्स कितना लिया गया और कितना पेमेंट किया गया, इसकी जानकारी भी पुलिस निकालने में जुटी हुई है. जानकारी के मुताबिक ये ड्रग्स पैडलर पहले से सुधीर या सुखविंदर को जनता था या इनका कॉन्टैक्ट चंडीगढ़ के किसी पैडलर्स ने करवाया, इसकी भी जानकारी में पुलिस जुटी हुई है।

ड्रग्स देने की बात भी कबूली

गोवा के DGP जसपाल सिंह के मुताबिक सुधीर और सुखविंदर ने माना कि उन्होंने 22 अगस्त की रात सोनाली को जबरदस्ती ड्रग दिया था. उन्हें लिक्विड में मिलाकर केमिकल दिया गया था. ड्रग की ओवरडोज से सोनाली की तबीयत बिगड़ी तो दोनों उन्हें वॉशरूम में ले गए. दोनों सोनाली के साथ दो घंटे वॉशरूम में ही बैठे रहे. सोनाली फोगाट का शुक्रवार दोपहर साढ़े 12 बजे हिसार में अंतिम संस्कार कर दिया गया. इस दौरान बड़ी संख्या में लोग 'सोनाली अमर रहे' और 'सोनाली के कातिलों को फांसी हो' के नारे लगाते नजर आए।

तीन तलाक पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाने वाले उदय उमेश ललित बने देश के नए मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2022। न्यायाधीश उदय उमेश ललित ने आज भारत के 49वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित संक्षिप्त समारोह में न्यायमूर्ति ललित को शपथ दिलाई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई केंद्रीय मंत्री इस समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति ललित से पहले प्रधान न्यायाशीध के रूप में सेवाएं देने वाले न्यायमूर्ति एन वी रमण भी इस मौके पर मौजूद थे।

मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित का जन्म 9 नवंबर, 1957 को महाराष्ट्र के सोलापुर में हुआ था । वह जून 1983 में महाराष्ट्र और गोवा

बार काउंसिल में वकील के रूप में नामांकित हुए थे. इसके बाद जनवरी 1986 में उन्होंने दिल्ली आने से पहले दिसंबर 1985 तक बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रैक्टिस की थी।

क्राइम लॉ में हैं एक्सपर्ट

चीफ जस्टिस ललित क्रिमिनल लॉ में एक्सपर्ट हैं. लगातार दो कार्यकाल तक वह सुप्रीम कोर्ट की कानूनी सेवा समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। जस्टिस ललित भारत के इतिहास में ऐसे दूसरे चीफ जस्टिस हैं जो सुप्रीम कोर्ट का जज बनने से पहले किसी हाई कोर्ट में जज नहीं रहे। वह सीधे वकील से इस पद पर पहुंचे हैं ।

सुना चुके हैं कई महत्वपूर्ण फैसले

भारत के नए चीफ जस्टिस ललित ने सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में कई महत्वपूर्ण फैसले सुनाए हैं. इनमें सबसे ज्यादा अहम तीन तलाक, केरल में पद्मनाभस्वामी मंदिर पर त्रावणकोर शाही परिवार का दावा और पॉक्सो से जुड़े कानून पर उन्होंने फैसले लिए।

चुनाव बाद हिंसा मामला: :

सीबीआई ने कई ठिकानों पर की छापेमारी, अनुब्रत के करीबी तीन लोग गिरफ्तार

कोलकाता , 27 अगस्त 2022। सीबीआई ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा के सिलसिले में कई स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अनुब्रत मंडल के करीबी माने जाने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। मंडल को इस महीने की शुरुआत में पशु तस्करी मामले में गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह जेल में हैं।

अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई द्वारा इलाके में उनके घरों पर छापेमारी के बाद तीन लोगों को कंकलिताला से गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के लिए बोलपुर से तीन और लोगों को हिरासत में लिया गया था। सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीन लोगों ने विधानसभा चुनाव के बाद जिले में हुई हिंसा में शामिल होने के लिए लोगों को उकसाया था। वे अनुब्रत मंडल के बहुत करीबी हैं। वे सीधे तौर पर घरों में तोड़फोड़ में शामिल थे और उनके खिलाफ कई शिकायतें हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उनके घरों से सीबीआई के कैंप कार्यालय ले जाया गया और घंटों पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

मकान में चल रहा था देह व्यापार,5 युवतियों के साथ 2 युवक गिरफ्तार

बड़ी मात्रा में मिले आपत्तिजनक सामान

मथुरा, 27 अगस्त 2022। पुलिस ने कॉलोनी में मैरिज होम के पीछे एक मकान में छापेमारी कर देह व्यापार का खुलासा किया है. मौके से पांच युवतियों और दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस गश्त के दौरान डायल-112 पर पुलिस को सूचना मिली कि कॉलोनी में मैरिज होम के पीछे एक मकान में सेक्स रैकेट चल रहा है. जब पुलिस ने छापा मरा तो 5 युवतियों के साथ दो युवक को गिरफ्तार किया. वहीं दो लोग फरार हो गए. पुलिस ने मकान से बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामान बरामद किया है.

पूरा मामला यूपी के मथुरा का है. थाना हाईवे पुलिस ने चैतन्य लोक कॉलोनी में मैरिज होम के पीछे बड़ा सेक्स रैकेट का खुलासा किया है. सीओ रिफाइनरी धर्मेन्द्र चौहान, थाना प्रभारी निरीक्षक हाईवे छोटेलाल ने महिला और पुरुष पुलिस बल के साथ पहुंच कर छापेमारी की. पुलिस ने मौके से पांच युवतियों और दो युवकों को गिरफ्तार किया. दो अज्ञात भाग गए. इनके बारे में जानकारी की जा रही है. थाना प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने बताया कि पांच युवतियों के अलावा योगेश निवासी नरहौली और बजरंगी पांडेय निवासी ओखला जोगाबाई पार्क विस्तर जामिया, नगर न्यू फ्रेंडस कालोनी, दक्षिण दिल्ली को गिरफ्तार कर चालान किया है.

ये चीजें बरामद

पकड़े गए आरोपियों के पास से आपत्तिजनक सामग्री, चार हजार नकदी भी बरामद की गई है. कर अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत चालान किया है. वहीं भागे अज्ञात व मकान स्वामी कुलदीप चौधरी की तलाश की जा रही है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इस मामले में लिप्त अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है. थाना प्रभारी निरीक्षक हाईवे छोटेलाल ने बताया कि भरतपुर और कोतकाता निवासी महिला जो यहीं रहती हैं, उन्होंने मकान स्वामी से 15 हजार रुपए महीने किराए पर मकान लिया था और वह यहीं रहती थीं. भरतपुर की रहने वाली महिला अपनी कोतकाता की महिला के साथ मिलकर यह अनैतिक कार्य कराती थी.

मैं कांग्रेस का किरायेदार नहीं : मनीष

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2022। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे गुलाम नबी आजाद के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद राज्यसभा सांसद मनीष तिवारी ने अपनी पार्टी को फिर एकबार नसीहत दी है। उन्होंने कहा है कि जी-23 ने जो कांग्रेस आलाकमान को पार्टी की स्थिति को लेकर चिट्ठी लिखी थी, अगर उसपर ध्यान दिया गया होता तो आज ऐसी स्थिति नहीं आती। साथ ही अपनी स्थिति साफ करते हुए उन्होंने कहा कि मैं इस पार्टी का किरायेदार नहीं, बल्कि सदस्य हूं।

कांग्रेस सांसद ने कहा, ÷मैंने इस पार्टी को 42 साल दिए हैं। मैं यह पहले भी कह चुका हूं कि हम इस संस्था यानी कांग्रेस के किरायेदार नहीं हैं, हम पार्टी के सदस्य हैं। अब अगर आप हमें बाहर निकालने की कोशिश करेंगे तो यह दूसरी बात है। तब देखा जाएगा।÷

उन्होंने कहा, ÷2 साल पहले हम में से 23 नेताओं ने सोनिया गांधी को एक पत्र लिखा था और कहा था कि पार्टी की स्थिति चिंताजनक है। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उस पत्र के बाद कांग्रेस सभी विधानसभा चुनाव हार गई। अगर कांग्रेस और भारत एक जैसे सोचते हैं तो लगता है कि दोनों में से किसी एक ने अलग सोचना शुरू कर दिया है।÷

उन्होंने कहा, ÷ऐसा लगता है कि 1885 से मौजूद कांग्रेस पार्टी और भारत के बीच समन्वय में दरार आ गई है। आत्मनिरीक्षण की जरूरत थी। मुझे लगता है कि 20 दिसंबर 2020 को सोनिया गांधी के आवास पर हुई बैठक में सहमति बन गई होती तो यह स्थिति नहीं आती।

कांग्रेस सांसद आगे कहते हैं, ÷गुलाम नबी आजाद के पत्र के गुण-दोष में मैं नहीं जाना चाहता। वह इसके बारे में समझाने की सबसे अच्छी स्थिति में होंगे।÷

मनीष तिवारी ने कहा,÷जिस व्यक्ति की हैसियत एक वार्ड चुनाव लड़ने की भी नहीं है, जो व्यक्ति कभी कांग्रेस नेताओं का चपरासी हुआ करता था, वह जब पार्टी के बारे में ज्ञान देता है तो हंसी आती है।÷ साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें किसी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

संपादकीय

जैन को बरखास्त क्यों नहीं करते केजरीवाल?

कट्टर ईमानदार नेता अरविंद केजरीवाल ने जेल में बंद अपने एक मंत्री सत्येंद्र जैन को अभी तक बरखास्त नहीं किया है। उनको विभाग जरूर उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दे दिए गए लेकिन उनको मंत्री पद से नहीं हटाया गया। उनकी स्थिति जेल में बंद बिना विभाग के मंत्री की है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने भी पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी के बाद थोड़े दिन उनको नहीं हटाया था लेकिन बाद में ममता ने पार्थ को मंत्री पद से हटा दिया। हर हाल में अपने मंत्रियों और नेताओं का बचाव करने वाली ममता बनर्जी ने यहां तक कहा कि अगर पार्थ ने गड़बड़ी की है तो कानून के हिसाब से कोई भी कार्रवाई हो पार्टी उसमें दखल नहीं देगी। लेकिन कट्टर ईमानदार नेता ने हवाला कारोबार करने के आरोप में गिरफ्तार अपने मंत्री को अभी तक पद से नहीं हटाया है।

इसमें अब दूसरे आयाम भी जुड़ गए हैं, जिसे लेकर अदालत में एक याचिका भी दायर हुई थी। हालांकि अदालत ने उस पर विचार करने से इनकार कर दिया। लेकिन उस याचिका में बहुत जायज सवाल उठाए गए थे। याचिकाकर्ता ने कहा था कि सत्येंद्र जैन 'मानसिक रूप से अस्थिर हो गए हैं' और कानून कहता है कि मानसिक रूप से अस्थिर किसी व्यक्ति को मंत्री नहीं बनाया जा सकता है। हालांकि अदालत ने कहा कि वह जैन को मानसिक रूप से अस्थिर मान कर उनको मंत्री पद से नहीं हटा सकती है। भले अदालत ने उनको हटाने से इनकार कर दिया हो लेकिन यह हकीकत है कि जैन ने हवाला मामले में ईडी की पूछताछ में कहा था कि उनकी याद्दाश्त चली गई है। वे कई बातें भूल गए हैं। अगर उनको भूलने की बीमारी है तब भी वे कैसे मंत्री रह सकते हैं। अव्वल तो जेल जाने के बाद उनको मंत्री रखने का कोई औचित्य नहीं है लेकिन जब वे खुद ही कह रहे हैं कि वे बातें भूल रहे हैं तब तो उनको कतई मंत्री पद पर नहीं रखना चाहिए।

सरकारों,नौकरशाहों और नेताओं कारण बंद होते सरकारी स्कूल

प्रियंका सौरभ
हिसार
हरियाणा

दरअसल सरकारी स्कूल फेल नहीं हुए हैं बल्कि यह इसे चलाने वाली सरकारों, नौकरशाहों और नेताओं का फेलियर है। सरकारी स्कूल प्रणाली के हालिया बदसूरती के लिए यही लोग जिम्मेवार है जिन्होंने निजीकरण के नाम पर राज्य की महत्वपूर्ण सम्पति का सर्वनाश कर दिया है। वैसे भी वो राज्य जल्द ही बर्बाद हो जाते है या भ्र्ष्टाचार का गढ़ बन जाते है जिनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस व्यवस्था पर निजीकरण का सांप कुंडली मारकर बैठ जाता है। एक तरफ जहां प्राइवेट स्कूलों की फीस बहुत मंहगी हो गई है, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में कक्षा आठ तक मुफ़्त शिक्षा दी जाती है जहां अमीर और गरीब दोनों तरह के छात्र एक साथ पढ़ सकते हैं। दूसरा प्राइवेट स्कूलों की किताबें भी बहुत मंहगी होती हैं वही सरकारी स्कूलों में किताबें मुफ़्त में मिलती हैं और सबसे बड़ी बात यह कि सरकारी स्कूलों में जो शिक्षक नियुक्त किये जाते हैं वह राज्य स्तर की चयन परीक्षा उत्तीर्ण करके आते हैं। इस दृष्टिकोण से सोचें तो आज प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले सरकारी स्कूलों को बेहतर विकल्प के तौर पर बढ़ाया जाना चाहिए।

शिक्षा वह नींव है जिस पर हम आने वाले पीढ़ी के भविष्य का निर्माण करते हैं। बंद होते सरकारी स्कूल चिंता का विषय हैं क्योंकि सरकारी स्कूल नहीं होंगे तो गरीब बच्चों का भविष्य का क्या होगा? इन स्कूलों को बंद करने का मुख्य कारण सरकार कम बच्चे होना बताया जा रहा है जबकि मुख्य कारण 40000 अध्यापकों के पद खाली हैं जबकि मिडिल स्कूलों को चलाने के लिए गणित विज्ञान, अंग्रेजी , हिंदी, शारीरिक शिक्षा विषयों के शिक्षकों की आवश्यकता होती है लेकिन सरकार ने 8 वर्षों से जानबूझकर अध्यापकों की भर्ती नहीं की जिससे स्कूलों में अध्यापकों के पद रिक्त होते चले गए पद रिक्त होने के कारण एक अध्यापक गणित विज्ञान अंग्रेजी हिंदी सर्विस को पढ़ा रहा था। शिक्षकों के अभाव के चलते हैं स्कूलों में बच्चों की संख्या कम होती चली गई जैसा सरकार चाहती थी क्या योजना के अनुसार वैसे ही हुआ स्कूल में बच्चे कम हो और इन स्कूलों को बंद करने का मौका मिल जाए। प्राइवेट स्कूलों से बेहतर रिजल्ट सरकारी स्कूलों के आ रहे हैं जबकि हरियाणा सरकार सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है तो बच्चों को अनपढ़ रखना चाहती है और युवाओं को रोजगार नहीं देना चाहती।

दरअसल सरकारी स्कूल फेल नहीं हुए हैं बल्कि यह इसे चलाने वाली सरकारों, नौकरशाहों और नेताओं का फेलियर है। सरकारी स्कूल प्रणाली के हालिया बदसूरती के लिए यही लोग जिम्मेवार है जिन्होंने निजीकरण के नाम पर राज्य की महत्वपूर्ण सम्पति का सर्वनाश कर दिया है। वैसे भी वो राज्य जल्द ही बर्बाद हो जाते है या भ्र्ष्टाचार का गढ़ बन जाते है जिनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस व्यवस्था पर निजीकरण का सांप कुंडली मारकर बैठ जाता है। आज निजी स्कूलों का नेटवर्क देश के हर कोने में फैल गया है। सरकारी स्कूल केवल इस देश के सबसे वंचित और हाशिये पर रह रहे समुदायों के बच्चों की स्कूलिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अच्छे घरों के बच्चे निजी स्कूल में महंगी शिक्षा ग्रहण कर रहें और इस तरह हम भविष्य के लिए दो भारत तैयार कर रहें है।

निजी स्कूलों का बढ़ता कारोबार और बंद होते सरकारी स्कूल देश में एक समान शिक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है, उदाहरण के लिए हरियाणा जैसे विकसित राज्य में देश की दो बड़ी राजनीतिक पार्टियां भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पिछले 20 सालों में लगभग सामान रूप से सरकारें बना चुकी हैं, लेकिन राज्य के सरकारी स्कूल आज भी बुनियादी सुविधाओं से कोसो दूर हैं। यहाँ की सरकार अभी सरकारी स्कूली शिक्षा को खत्म करने की चिराग योजना लाई है. अगर आप सरकारी स्कूलों में बच्चे पढ़ाएंगे तो 500₹ आपको भरने हैं, प्राइवेट में पढ़ाएंगे तो 1100₹ सरकार आपके बच्चे की फीस के भरेगी. ये किसे प्रमोट किया जा रहा है? सरकारी स्कूली शिक्षा को या प्राइवेट को? इसका सीधा-सा मतलब सरकार मानती है कि वे अच्छी शिक्षा नहीं दे पा रहे और प्राइवेट वाले उनसे बेहतर हैं? लेकिन चुनाव के समय अच्छी शिक्षा के लिए जनता से वादे तो किये जाते हैं लेकिन राज्य के विद्यालयों की स्थिति के आंकड़े दिखाते हैं कि सरकारी स्कूलों पर कुछ ख़ास ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते विद्यार्थिओं का नामांकन कम हो रहा है, और अंत में कम नामांकन के चलते स्कूल बंद कर दिया जाता है।

दरअसल शिक्षा के माफिया स्कूली शिक्षा को एक बड़े बाज़ार के रूप में देख रहे हैं, जिसमें सबसे बड़ी रुकावट सरकारी स्कूल ही हैं। इस रुकावट को तोड़ने के लिए वे आये दिन नई-नई चालबाजियों के साथ सामने आ रहे हैं जिसमें सरकारी स्कूलों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप वयवस्था को लागू करने पर जोर दे रहें है। शिक्षा की सौदेबाजी के इस काम में नेताओं और अफसरशाही का भी समर्थन मिल रहा है जो सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने में मदद करते है और चाहते है कि यह व्यवस्था दम तोड़ दे निजीकरण इस व्यस्था को अपने आगोश में लें ले। यही कारण है कि राज्य सरकारें प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, ज़रूरी आधारभूत सुविधाओं की कमी, बच्चों की अनुपस्थिति और बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने के मसलों पर सरकार कोई जोर नहीं देती। आपको हैरानी होगी कि हरियाणा में पिछले दस सालों में प्राथमिक शिक्षकों की कोई भर्ती नहीं गई और वहां के लाखों छात्र अपनी योग्यता को साबित कर एचटेट की दस-दस बार परीक्षाएं उत्तीर्ण कर चुके है। इससे यही साबित होता है कि सरकार राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर जोर नहीं देना चाहती।

हमें सबके लिए एक समान स्कूल की बात करनी होगी। लेकिन, यह बात इतनी सीधी नहीं है। वैसे भी सावर्जनिक स्कूल तभी अच्छे तरीके से चल सकतें है जब इसके संचालन में समुदाय और अभिभावकों की भागीदारी हो। आज ग्रामींण क्षेत्र के ज्यादार सरकारी स्कूल बच्चों के अभाव में बंद होने के कगार पर है। लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल की बजाय पीले वाहनों में भेज रहें है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी ज़रूरी है लेकिन इस दिशा में सबसे बड़ी समस्या संसाधन सम्पन्न अभिभावकों का निजी स्कूलों की तरफ झुकाव है। सरकारी स्कूल के शिक्षक खुद अपने बच्चों को निजी स्कूल में भेज रहे है। ऐसे में वो बाकी लोगो को कैसे प्रेरित कर पाएंगे। दरअसल हमारे सरकारी स्कूल संचालन/प्रशासन, बजट व प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी और ढांचागत सुविधाओं पर खरे उतरने में नाकाम रहे हैं जिससे लोगों का ध्यान सरकारी स्कूलों से हटकर निजी स्कूलों की तरफ पर केंद्रित हो गया हैऔर दूसरा शिक्षा माफियों ने इसे मौका समझकर अपना धंधा बना लिया है। इन माफियों में बड़े-बड़े नौकरशाह और नेता खुद किसी न किस तरह हिस्सेदार है। ऐसे में वो एकदम सरकारी स्कूलों की दिशा और दशा सुधारने के प्रयास नहीं करना चाहते।

ऐसे में एक उम्मीद न्यायपालिका से ही बचती है। वर्तमान दौर में देश भर में शिक्षक पात्रता उत्तीर्ण युवाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन वो नौकरी के अभाव में बेरोजगार है और देश हित में योगदान देने में असमर्थ है। केंद्र सरकार और न्यायपालिका को शिक्षा के निजीकरण पर पूर्ण पाबंदी लगानी चाहिए और देश में सबके लिए एक समान शिक्षा की पहल को पुख्ता करना चाहिए। तुरंत फैसला लेते हुए अब सरकारी स्कूलों में अध्यापक और छात्र अनुपात को घटाया जाये। ये फैसला बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में भी सहायक होगा। सभी निजी स्कूल सरकार के अधीन कर नयी शिक्षक भर्ती करें ताकि देश भर के प्रतिभाशाली शिक्षक हमारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करें। पहले से चल रहें निजी स्कूल सरकार के लिए एक विकसित व्यस्था का काम करेंगे। सरकार को कोई इमारत और अन्य सामान की व्यवस्था में कोई दिक्क्त नहीं होगी। केवल अपने अधीन कर नए शिक्षक भर्ती करने होंगे। इस कदम से भविष्य में एक भारत का निर्माण होगा, सबको एक समान शिक्षा मिलेगी, गुणवत्ता सुधरेगी, युवाओं की बेरोजगारी घटेगी और शिक्षा माफिया खत्म होंगे।

अभिभावकों का मानना है कि शिक्षा के लिए ज़रूरी सुविधाएँ जैसे कंप्यूटर, शिक्षकों की उचित संख्या, पीने के पानी की उपलब्धता, आदि सरकारी स्कूल की तुलना में निजी स्कूलों ज़्यादा अच्छी होती हैं। ÷अगर सरकारी स्कूलों में भी अच्छी सुविधाएं सरकार उपलब्ध कराये तो हम या कोई भी व्यक्ति प्राइवेट स्कूलों में इतनी ज़्यादा फीस क्यों देना चाहेगा? आज सरकारी स्कूलों में अधिकांश गरीब परिवार के बच्चे होते हैं, वो बच्चे जिनके पास सरकारी स्कूल के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं होता। सरकारी स्कूलों में उचित सुविधाओं के ना होने के कारण सरकारी स्कूलों में लगातार नामांकन कम होते जा रहे हैं। सरकार स्कूलों को बंद करने के पीछे घटते नामांकन को जिम्मेदार ठहराती है। लेकिनबंद हुए सरकारी स्कूलों की संख्या यह दर्शाती है कि घटते नामांकन के पीछे सिर्फ पलायन ही कारण नहीं है। आज भी चुनाव के समय अच्छी शिक्षा के लिए जनता से वादे तो किये जाते हैं लेकिन राज्य के विद्यालयों की स्थिति के आंकड़े दिखाते हैं कि सरकारी स्कूलों पर कुछ ख़ास ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते विद्यार्थिओं का नामांकन कम हो रहा है, और अंत में कम नामांकन के चलते स्कूल बंद कर दिया जाता है।

अब तो सरकारी स्कूलों में भी शिक्षण कार्य को आसान और मजेदार बनाने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। बच्चों का मन पढ़ाई में कैसे लगे इसके लिए नित नए-नए तरीके भी सरकारी स्कूलों में इस्तेमाल किये जा रहे हैं और समय-समय पर शिक्षकों को इसकी ट्रेनिंग भी दी जाती है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद बहुत जरूरी है। इसके लिए हमारे स्कूलों में खेल के उपकरण भी हैं जिससे बच्चे मध्यावकाश में खेलते हैं।÷ एक तरफ जहां प्राइवेट स्कूलों की फीस बहुत मंहगी हो गई है, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में कक्षा आठ तक मुफ़्त शिक्षा दी जाती है जहां अमीर और गरीब दोनों तरह के छात्र एक साथ पढ़ सकते हैं। दूसरा प्राइवेट स्कूलों की किताबें भी बहुत मंहगी होती हैं वही सरकारी स्कूलों में किताबें मुफ़्त में मिलती हैं और सबसे बड़ी बात यह कि सरकारी स्कूलों में जो शिक्षक नियुक्त किये जाते हैं वह राज्य स्तर की चयन परीक्षा उत्तीर्ण करके आते हैं। इस दृष्टिकोण से सोचें तो आज प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले सरकारी स्कूलों को बेहतर विकल्प के तौर पर बढ़ाया जाना चाहिए।

खामोशी अब लफ्ज चाहती है

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा
उत्तरप्रदेश

जब दिल में हो इकरार
इज़हार करने को
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है
जब दर्द हद से बढ़ जाये
करने को बयां
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है
जब दूरियां बढ़ने लगें
सुलझाने को बातें
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है
जब फांसले बढ़ने लगें
पास लाने को
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है
जब नाराज़गी हो दिल में
कहने को बात दिल की
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है
जब चाहतें बिखरने लगें
समेटने को
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है
जब बुझने लगे आस कोई
जगाने को उसे
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है
जब रहे न चाह कभी जीने की
करने को हौंसले बुलंद
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है
हो जीत या हार
हो खुशी या गम
हो प्यार या तकरार
हो सुलह या कलह
हो नज़दीकीयां या दूरियां
हो ज़िन्दगी या अंत
कहने को
खामोशी अब लफ़्ज़ चाहती है

गजल

सविता राज
मुजफ्फरपुर
बिहार

जिस बात को सुनने में, तकलीफ होती है जमाने को।
हम पर क्या गुजरी,हम तो जी रहे हैं, उस अफसाने को।।
ढूंढता है दिल कोई अपना सा, गम बताने को ।
कोई तो हो हमनवां,बाकी दुनिया तो है ही सताने को । ।
आंसू के वजह बहुत मिले, मेरे अफसाने को।
मुद्दत से दिल तरसा है, हकीकत में मुस्कुराने को।।
रिश्ते कई जुड़े हैं, हमारी खुशियों पर हक जताने को।
कोई तो हो जो तैयार रहे, दर्द में भी निभाने को।।
दिल कहता है ,तोड़ दूं वो रिश्ते जो बने हैं मुझे मिटाने को।
ख्वाब हकीकत हो ,सुकून खुद आए मुझे गले लगाने को।।

मन में जज़्बा हो तो कोई चुनौती रोक नहीं सकती

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

अगर कुछ कर दिखाने का जज़्बा दिल में हो तो , कोई रोके ना रोक सकता जज़्बा रखने वाले को । जी हां आज मैं एक ऐसे बच्चे के बारे में बात कर रही हूं जो अपने जीवन के शैशवास्था बाल्यावस्था किशोरावस्था में स्वस्थ, सुन्दर,प्रखर बुद्धि,प्रतिभावान बालक शारीरिक रुप से अविकसित रहा.लेकिन गुरु कृपा,परिवार के अथक प्रयास से,विज्ञान के चमत्कार से आज वह पूर्ण रूप से अपनी अवस्थानुसार विकसित, स्वस्थ,प्रतिभाशाली, युवा हमारे सामने है.उसने इंटर तक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की लेकिन परिवार का संरक्षण सदा बना रहा.वह बचपन से ही दयालु,उदार,अपने बड़ो व गुरुओं का सम्मान करने वाला,बच्चों से स्नेह करता,सेवा भाव, धार्मिक प्रवृति वाला बालक रहा. प्रारंभिक अवस्था के कारण विकसित न होने के कारण कुछ ना समझ लोगों के बीच ही दया का पात्र बनता है , परंतु वो दया का पात्र न बनते हुए, उन सभी पूर्णतः विकसित लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बना जो इंसानियत को महत्व ना देते हुए सिर्फ और सिर्फ अपने स्वार्थ को महत्व देते हैं , इन सब से परे रह अपनी अलग पहचान बनाने वाला ये बच्चा जिसका नाम दिव्यांश मेहरोत्रा है जो कि मुज्जफरपुर बिहार का रहने वाला है समाज सेवा के प्रति पूर्णतः समर्थन भाव रख निष्काम भावना से निरंतर सेवा देकर अपना जीवन समाज के नाम कर रहा है , दिव्यांश से मेरी मुलाकात फोन पर ही लखनऊ के एक केस के संबंध में हुई थी , जिसमें ब्लड की जरुरत थी दिव्यांश ने पूर्णतः सहयोग करते हुए सहयोग करवाया था , तब से लेकर आज तक दिव्यांश से बहुत ही बेहतरीन रिश्ता ममता का

बन गया है , धीरे-धीरे दिव्यांश के बारे में जानकारी मिली की दिव्यांश बचपन में शारीरिक रूप से पूर्णतः विकसित नहीं हो पाए , बचपन में उनके कुछ बच्चे मज़ाक बनाने लगे पर दिव्यांश का छोटा भाई और परिवार वाले उसकी ढ़ाल बन सदैव उसके साथ खड़े रहे , उसके प्रेरणा स्त्रोत बन कर भी , दिव्यांश की दादी जो कि एक लेखिका भी हैं सदैव दिव्यांश के भावनात्मक पहलुओं को दिव्यांश को काग़ज़ों पर उतारने के लिए भी प्रेरित करती रहती हैं । दिव्यांश घर से ज्यादा बाहर नहीं जा पाते वो भी घर बैठे अपने फोन के माध्यम से देश के किसी भी कोने में जरूरत मंदों की मदद् कभी पुलिस अधिकारियों से , कभी समाज सेवियों से तो कभी किसी परिचित से सहयोग मांग करवाते बस एक जज़्बा कि जो थी अपनी कमी को बेचारगी नहीं अपितु अपनी कमी को एक चिंगारी बना जज़्बे को दुनिया के लिए मिसाल बन एक प्रेरणा स्त्रोत बनना है , सच यदि दिल में जोश हो और कुछ इंसान करने की ठान ले तो इंसान कुछ भी कर सकता है , फिर तो ऐसे में उसे कोई पर्वत तूफान भी नहीं रोक सकते हैं। हाल ही में दिव्यांश को एक सम्मान समारोह में उनकी समाज सेवा के लिए सम्मानित भी किया गया । और अतिथि द्वारा सभी के समक्ष दिव्यांश को नमन कर सबको एक सीख लेने की नसीहत भी दी गई। गर्व है हमें देश के एसे नवयुवाओं पर जो देश और समाज के लिए समर्पित भाव से सदैव आगे आते ।

गुजरा जमाना

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

दिल ढूंढता है फिर से गुज़रा वो ज़माना
वो गुफ़्तगु सुहानी दिलकश वो फ़साना
उन लम्हों ने आंखों मे कई ख़्वाब सजाए
सब टूट गये रह गया अश्कों का ख़जाना
अब तज़्क़िरा नहीं है समाअत भी नहीं है
फिर हो गया सूकूत से यूं दोस्ताना
दिल डूबने लगा है फिर यादों के भंवर में
मोहसिन ने दें दिया है फिर से वो ठिकाना
सरगोशियां करने लगी तन्हाईयां भी अब
फिर हो न जाए बेखुद ये दिल है दीवाना

वो मेरी गजल सी लगे

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

झील में खिले कंवल सी लगे
वो लड़की ताजमहल सी लगे
जिस पल में मोहब्बत हो जाए
वो मुझ को उसी पल सी लगे
उसके गेसू की ख़ुशबू भी
महकते हुए सन्दल सी लगे
यादों में हम खो जाते हैं
याद उसकी जलथल सी लगे
लबों पे उसको सजाया यूँ
गीत वो मेरी ग़ज़ल सी लगे

गुमराह

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

जो थे गुमराह कभी वही राहबर बन गये।
तमाम फूल जिंदगी के पत्थर बन गये।
दूर तलक दरख़्तो के साये नही,
बुलबुलों की मीठी सदाएं नहीं,
मीलों तक बस पत्थरों के घर बन गये।
ये कैसा आया है अब के दौरे खिजां,
हर कोई भूल गया प्यार की जुबां,
मुरझा गये फूल पत्थर खंज़र बन गये।
मौसम का मिजाज इतना सख्त नहीं है,
मगर क्या करें लोगों के पास वक्त नहीं है,
इंसां की बस्ती थी अजनबियों के शहर बन गये।

टेक्नोक्रेट आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा

संजीव ठाकुर
रायपुर
छत्तीसगढ़,

वैसे तो उग्रवाद, आतंकवाद और अतिवाद हमेशा से अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा बने हुए हैंद्य पहले यह आतंकवादी हाथों में बंदूक, ग्रेनेटो, रॉकेट लांचर लेकर विभिन्न देशों में तोड़फोड़ आगजनी और हत्या की घटनाएं किया करते थेद्य अब समय के परिवर्तन के साथ साथ आतंकवाद में अब इंटरनेट, मीडिया, सोशल मीडिया ने अपने पैर फैलाना शुरू किए हैंद्य आतंकवाद के नेटवर्क के लिए इंटरनेट तथा हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का आसानी से उपयोग करने लगे हैंद्य अमेरिका में जो ट्विन टावर और पेंटागन में हमले हुए थे, उसमें आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर लक्ष्य भेदी विमानों को को भेजा गया था और एक बड़ी विध्वंसकारी घटना को अंजाम दिया गया था। समय और तकनीकी शिक्षा के बढ़ने के साथ-साथ अब उग्रवादी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर बड़े इंजीनियर तथा सॉफ्टवेयर इंजीनियर इस मैदान में आतंकवादियों के साथ टूट पड़े हैं। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स बड़े ही खतरनाक ढंग से सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल कर जनता को दिग्भ्रमित कर झूठी अफवाहें फैलाकर कई देशों के सूचना तंत्र में सेंध लगाकर वहां की सूचनाएं प्राप्त कर अपने उग्रवादी साथियों को भेज कर खुफिया सूचनाएं भेजते हैं। आतंकवादी गतिविधियों के लिए यह सूचनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। और देशों की शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा भी होती हैं। भारत के परिपेक्ष में भारत में बाहर के टेक्निकल शिक्षा प्राप्त किए आतंकवादी जिन्हे व्हाइट कॉलर आतंकवादी भी कहा जाता है। खुफिया तंत्र के हिसाब से यह तकनीकी स्लीपर सेल्स शांति के लिए अन्य आतंकवादियों से ज्यादा खतरनाक होते हैं। क्योंकि इनकी पहचान नहीं हो पाती है। ये छुपे हुए होते हैं। इनका पता लगाना अन्य आतंकवादियों से ज्यादा कठिन होता है और केवल तकनीकी जानकारी के आधार पर ही संभव हो पाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स इसलिए भी ज्यादा विनाशकारी होते हैं, क्योंकि यह दूर ठिकानों में बैठकर मीडिया, सोशल मीडिया, इंटरनेट के जरिए युवाओं को उकसा कर, भड़का कर सांप्रदायिक दंगे कराने में सफल हो जाते हैं। या सोशल मीडिया में झूठी तथा गलत खबरों के जरिए युवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। निसंदेह ये अज्ञात होते हैं। लेकिन समूची युवा पीढ़ी को मानसिक रूप से प्रभावित कर उनके विकास की दिशा बदल सकते हैं। ऐसे में सारी खुफिया एजेंसियां हाथ पर हाथ धरे बैठ रह जाती हैं। भारत के परिपेक्ष्य में जम्मू कश्मीर, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स के लिए एक सॉफ्ट टारगेट होते हैं। यह अपनी तकनीकी ज्ञान के चलते सोशल मीडिया में नाम बदलकर, रूप बदलकर, युवाओं को आम जनता को गलत जानकारी देकर दिग्भ्रमित करते रहते हैं, एवं दंगे भड़काने का काम भी करते हैं। मूलतः ये टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स सफेदपोश होते हैं। एवं आम लोगों के बीच घुल मिल जाते हैं। ऐसे में इनका पता लगाना इन्हें खोजना अत्यंत कठिन हो जाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स देश के सामरिक महत्व की जानकारी अपने उग्रवादी संगठनों को प्रदान करते हैं। इन जानकारियों का आतंकवादी संगठन उग्रवाद के लिए बेहद खतरनाक ढंग से किसी भी देश के खिलाफ कर सकते हैं। भारतीय संदर्भ में यदि जम्मू कश्मीर को लिया जाए तो अब वहां आतंकवादियों ने अपना युद्ध का तरीका बदल दिया है। युद्ध का मैदान नया है, जहां पारंपरिक अथवा हथियारों, सकरी गलियों और जंगली युद्ध के मैदानों के स्थान पर कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और स्मार्टफोन ने ले लिया है। जिसके फलस्वरूप यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल अपने अपने घरों में बैठकर सड़कों, मैदानों तथा जंगल में युद्ध छेड़ सकते हैं। अपने सूचना तंत्र तथा तकनीकी ज्ञान तथा उपकरणों के दम पर युवाओं तथा आम जनता के मध्य झूठी खबर फैलाकर आतंकवादियों एवं अलगाववादियों संगठनों की मंशा के अनुरूप तोड़ मरोड़ कर परिस्थितियां तैयार कर युवाओं को देश के खिलाफ भड़का कर असामाजिक स्थिति पैदा कर देते हैं।

यह सफेदपोश आतंकवादी अधिकारी, नेताओं, व्यवसायियों की गुप्त सूचना प्राप्त कर उन उनको ब्लैकमेल कर धन राशि तथा सूचना एकत्र कर आतंकवादियों की मदद करते हैं। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स तब और ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं, जब देश की संवेदनशील सामरिक सूचनाएं आतंकवादियों तथा दुश्मन देश को अपने तकनीकी ज्ञान के दम पर हैक करके भेजना शुरू कर देते हैं। जिससे देश की सुरक्षा संबंधी सब गुप्त सूचनाएं एवं नवीनतम रणनीति, दुश्मनों के समक्ष उजागर हो जाती है। जिससे देश की सुरक्षा तथा जानमाल को बहुत ज्यादा खतरा बन जाता है। अब ज्यादातर आतंकवादी संगठन टेक्निकल सहायता लेकर मैदानों, फील्ड में ना जाकर टारगेटेड मिसाइल तथा एयरक्राफ्ट से विनाश करने में लगे हुए हैं। अब नई टेक्नोलॉजी में ड्रोन भी सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित होने लगे हैं। हालाँकि की सुरक्षा एजेंसियां आतंकवाद को खत्म करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर उनसे निपटने की तैयारी करते हैं। अमेरिका का काबुल पर आतंकवादियों के खिलाफ ड्रोन का इस्तेमाल सबसे बड़ा और नवीनतम उदाहरण है। पर दूसरी तरफ आतंकवाद से जुड़े उग्रवादी लोग भी ड्रोन का इस्तेमाल कर विध्वंस की साजिश करने से नहीं चूक रहे हैं।

रूस ने पकड़ा भारत का दुश्मन

रूस से संबंधित अभी-अभी दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिन्होंने सारी दुनिया का ध्यान खींचा है। पहली घटना है- दारिया दुगिना की हत्या। यह लड़की रूसी नेता व्लादिमीर पूतिन के मुख्य रणनीतिकार अलेक्जेंडर दुगिना की बेटी थी। दूसरी घटना भारतीयों के लिए और भी ज्यादा गंभीर है। वह है आजमोव की गिरफतारी की ! आजमोव को रूसी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, क्योंकि उससे कई ठोस प्रमाण मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि उज़्बेकिस्तान का यह नागरिक किसी बड़े भारतीय नेता की हत्या के लिए तैयार किया गया था।

यह 'इस्लामिक स्टेट आफ खुरासान प्राविंस' का कारिंदा है। यह मुसलमान युवक किसी पूर्व-सोवियत राज्य से आकर तुर्किए में प्रशिक्षित हुआ है। इसे जिम्मेदारी दी गई थी कि वह भारत जाकर किसी नेता पर आत्मघाती हमला करे। यह हमला नुपूर शर्मा के बयान के विरोध में होना था। अब से तीन माह पहले 'इस्लामिक स्टेट' ने 50 पृष्ठ का एक दस्तावेज इसी मुद्दे पर जारी किया था, जिस पर गाय के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र भी था। तुर्किए में प्रशिक्षित यह 30 वर्षीय उजबेक आजमोव रूस पहुंच कर भारत आने की फिराक में था। इसके पीछे काम कर रही 'इस्लामिक स्टेट' चाहती थी कि वह 'अल-क़ायदा' के उग्रवाद से भी आगे निकल जाए। जब रूसी गुप्तचर एजेंसी ने आज़मोव को गिरफ्तार करके कड़ी पूछताछ की तो उसने बहुत-से रहस्यों को उगल दिया। मध्य एशिया के इन पूर्व-सोवियत देशों में इस्लामिक कट्टरवाद को रूसी कम्युनिस्टों ने कभी पनपने नहीं दिया था।

इन पांच राष्ट्रों के सात करोड़ लोग ठीक से नमाज़ पढ़ना भी नहीं जानते थे। वे रोज़े भी ठीक से नहीं रखते थे। उन्होंने अपने तुर्की और फारसी नामों का भी रूसीकरण कर लिया था। जैसे आजम का आजमोव और रहमान का रहमानोव। लेकिन पड़ौसी मुस्लिम राष्ट्रों की मेहरबानी से वहां उग्रवाद और आतंकवाद की भट्ठियां धधकने लगी हैं। इन स्वतंत्र हुए सभी प्राचीन आर्य राष्ट्रों में मुझे पहले और अब भी रहने का अवसर मिला है। मैं उनकी भाषा भी बोल लेता हूं। वे यदि उग्रवाद और आतंकवाद को नियंत्रित नहीं कर पाएंगे तो इन देशों को बर्बाद होने से कोई रोक नहीं पाएगा।

रूस को इन देशों के खिलाफ भी कार्रवाई करनी पड़ सकती है। जहां तक दारिया दुगिना की हत्या का सवाल है, रूसी अधिकारियों का कहना है कि एक यूक्रेनी औरत, जिसका नाम नतालिया वोक है, उसने दारिया की हत्या की है। वह भेजी तो गई थी अलेक्जेंडर दुगिना की हत्या के लिए लेकिन दारिया ही उसके हाथ लग गई। दारिया को श्रद्धांजलि देते हुए राष्टपति पूतिन ने उसे गहन राष्ट्रवादी और निर्भीक युवती बताया है। हालांकि यूक्रेन के राष्टपति तथा अन्य अधिकारियों ने इस हत्याकांड से अपना कोई भी वास्ता नहीं बताया है लेकिन यह घटना रूस-यूक्रेन युद्ध को और भी गंभीर रूप प्रदान कर सकती है। रूसी जांच एजेंसी को शक है कि हत्या करने के बाद नतालिया तुरंत भागकर एस्टोनिया में छिप गई है। एस्टोनिया एक पूर्व-सोवियत राष्ट्र है और आजकल रूस से उसके संबंध सामान्य नहीं हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अब यह रूसी युद्ध यूक्रेन के बाहर भी फैल जाए।

-वेद प्रताप वैदिक-

जीवन साथी

प्रेमा पटेल
वाराणसी
उत्तरप्रदेश

मै राधा बन कर आ जाऊं
तुम कान्हा बनकर आ जाना ।
मोर मुकुट पीताम्बर धरकर,
मुरली मधुर बजा जाना।
तुम ही जीवन के सूर्य चन्द्र,
तुमसे ही प्रचंड शीतलता है।
तुम शिला की हिमखंड,
तुम से ही उत्स निकलता है।
मैं चकोर सी करु प्रतीक्षा,
चंदा बन कर आ जाना।
तुमसे जीवन के उदधि द्वार
मैं सतत् प्रवाहित सरिता हूं।
तुम स्थिर मन प्रज्ञा वाले,
मैं चंचल मन वनिता हूं।
व्यथित मेरा जब हो मन,
मन को मेरे समझा जाना।
तुम जीवन के विटप छाया,
मैं बढ़ती बेल लता हूं।
तुम्हारे बिना अस्तित्व कहां,
कहां किसी को पता हूं।
मैं धरती ही करूं प्रतीक्षा,
बादल बनकर आ जाना।
सदैव बना रहे यह प्यार
बहती रहे सदा मलय समीर।
जीवन के उतार चढ़ाव में भी,
कभी न निकलें नैन नीर।
मैं श्रद्धा बनकर आ जाऊं
तुम मनु बनकर आ जाना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

भाजपा और कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को सिर्फ लूटने का किया है काम

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। शनिवार को अंबिकापुर सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को लूटने का काम किया है। दोनों ही पार्टियों से ठगी गई जनता दिल्ली और चंडीगढ़ की तरह छत्तीसगढ़ में भी विकल्प तलाश रही है। उन्होंने कहा कि हमारा देश स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में हमारा देश काफी पिछड़ा हुआ है। आजादी के 75 वर्ष बाद भी विकसित राष्ट्र की श्रेणी में हमारा देश नहीं पहुंच सका है। छत्तीसगढ़ के संबंध में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश से अलग होने के बाद कांग्रेस की सरकार बनी थी। इसके बाद जनता ने भारतीय जनता पार्टी को जनादेश दिया था ताकि प्रदेश का विकास हो सके। लेकिन 15 वर्ष बीजेपी की सरकार रहने के बावजूद भी प्रदेश में विकास नहीं हो सका है। इसके बाद जनता ने

कांग्रेस की सरकार बनाई है। कांग्रेस ने झूठे वादे कर सरकार में आने के बाद जनता को भूल गई है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार केवल होर्डिंग्स मैं ही नजर आती है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है। भूपेश बघेल बेरोजगारों को प्रति महीने ढाई हजार महंगाई भत्ता देने का वादा किया था पर परिवारों को 1 रुपए नहीं मिला है। नरवा घुरवा बाड़ी भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। प्रेस वार्ता के दौरान जसवीर सिंह, मनोज दुबे, संजय मिश्रा, लव दुदे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा और कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को लूटने का काम किया है। दोनों ही पार्टियों से ठगी गई जनता दिल्ली और चंडीगढ़ की तरह छत्तीसगढ़ में भी विकल्प तलाश रही है। उक्त बातें शनिवार को अंबिकापुर सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुसेंडी ने कही। उन्होंने कहा कि हमारा देश स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में हमारा देश काफी पिछड़ा हुआ है। आजादी के 75 वर्ष बाद भी विकसित राष्ट्र की श्रेणी में हमारा देश नहीं पहुंच सका है। छत्तीसगढ़ के संबंध में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश से अलग होने के बाद कांग्रेस की सरकार बनी थी। इसके बाद जनता ने भारतीय जनता पार्टी को जनादेश दिया था ताकि प्रदेश का विकास हो सके। लेकिन 15 वर्ष बीजेपी की सरकार रहने के बावजूद भी प्रदेश में विकास नहीं हो सका है। इसके बाद जनता ने कांग्रेस की सरकार बनाई है। कांग्रेस ने झूठे वादे कर सरकार में आने के बाद जनता को भूल गई है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार केवल होर्डिंग्स मैं ही नजर आती है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है। भूपेश बघेल बेरोजगारों को प्रति महीने ढाई हजार महंगाई भत्ता देने का वादा किया था पर परिवारों को 1 रुपए नहीं मिला है। नरवा घुरवा बाड़ी भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। प्रेस वार्ता के दौरान जसवीर सिंह, मनोज दुबे, संजय मिश्रा, लव दुदे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सेवा ही है धर्म हमारा:आचार्य

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। सेवा ही है धर्म हमारा श्री वृंदावन से पधारे परम पूज्य श्री अनिरुद्ध आचार्य जी महाराज के पावन मुख से आज से नित्य साधना श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करने का सौभाग्य संपूर्ण अंबिकापुर वासी प्राप्त कर रहे हैं समस्त बंसल परिवार (पावड़ा साहू वाले)के माध्यम से हो रहा है जिसमें सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति आज प्रथम दिवस मे रहीं प्रथम दिवस के भागवत की पावन महिमा बारे में बताया सेवा के बारे में बताया सेवा करने से जीवन में क्या फल मिलता है और हमें अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे सभी भक्तजनों को बताया एवं समझाया हजारों की संख्या में पहुंच कर भागवत कथा में सम्मिलित रहे एवं सभी भक्तजनों ने मिलकर दिव्या भारती की उसके बाद प्रसाद ग्रहण किया।

ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी मिल रही अब उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल की सुविधा:श्री सिंहदेव

स्वास्थ्य मंत्री श्री टीएस सिंहदेव नवीन स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम स्कूल का किया अवलोकन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टीएस सिंहदेव शनिवार को नवीन स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय केशवपुर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्कूल के शिक्षकां, विद्यार्थियों व ग्रामवासियों को स्वामी आत्मनाद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खुलने पर बधाई दी और इस स्कूल को एक उदाहरण के रूप में उन्नत करने की बात कही। मुख्यमंत्री श्री भूपश बघेल के द्वारा भेंट मुलाकात कार्यक्रम में की गई घोषणा के तहत केशवपुर में इस वर्ष स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ किया गया है। इस वर्ष 10 वी तक की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से होगी। अगले वर्ष हायर सेकेण्डरी की कक्षाएं शुरू होंगी। स्कूल भवन में अतिरिक्त कक्ष व अन्य संसाधनों के लिए डीएमएफ मद से 58 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। विद्यार्थियों के प्रवेश व शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है।

श्री सिंहदेव ने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के उत्कृष्ट स्कूल में पढ़ने का अवसर देने के लिए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय शुरू की है। इससे दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीण बच्चों को भी निःशुल्क रूप से उच्च गुणवत्ता के अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ाई करने की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि केशवपुर में शुरू हुए स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम स्कूल को जिले का सबसे उत्कृष्ट विद्यालय बनाए और इसकी जिम्मेदारी यहां के शिक्षक, विद्यार्थी और ग्रामवासियों की है। संसाधनों के लिए राशि हेतु विधायक मद से सहायता की जाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चे शिक्षा को केवल नौकरी पाने का साधन न माने बल्कि जीवन मे आगे बढ़ने के लिए जरूरी कौशल के रूप में ग्रहण करें। शिक्षा व्यक्ति को एक जिम्मेदार नागरिक बनाता है। किसी भी देश की प्रगति का पैमाना शिक्षा ही है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विद्यार्थियों में अलग-अलग प्रतिभाएं होती है। अपने अंदर छुपी प्रतिभा को निखारने के प्रयास करें और उसी क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे तो निश्चित ही सफल होंगे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री राकेश गुप्ता, पार्षद श्री शैलेन्द्र सोनी, एसडीएम श्री प्रदीप साहू, सीएमएचओ डॉ पीएस सिसोदिया, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ संजय गुहे, जनपद सीईओ श्री एसएन तिवारी, सहायक परियोजना अधिकारी श्री रमेश सिंह, श्री रविशंकर पांडेय सहित स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी व ग्रामवासी उपस्थित थे।

डॉक्टर रेणुका मास केरकेट्टा ने मिसेज एशिया में गोल्ड कैटेगरी का जीता खिताब

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। कहते हैं मेहनतकश इन्सान की सफलता कदम चूमती है। इसकी बानगी देखने को मिली अम्बिकापुर में यहां की रहने वाली डॉक्टर रेणुका मास केरकेट्टा ने मिसेज एशिया में गोल्ड कैटेगरी का खिताब हासिल किया है। सरगुजा आदिवासी अंचल क्षेत्र के लिए जाना जाता है। यहां की एक आदीवासी बेटी ने मिसेज एशिया में गोल्ड कैटेगरी का खिताब जीतकर सरगुजा का नाम अंतर्राष्ठीय स्तर के पटल पर अंकित किया है। पेश से डॉक्टर रेणुका मास केरकेट्टा ने बताया कि ईनिग्मा के तरफ से अंतराष्ठीय ओपन सौन्दर्य प्रतियोगिता थाईलैंड के पटाया में आयोजित हुआ था। जिसमें

मिस और मिसेज कैटगरी में 25 लोगों के बीच प्रतियोगिता थी। ओपन सौन्दर्य प्रतियोगिता में मिसेज एशिया में गोल्ड कैटगरी का खिताब मिला है। आदिवासी एक ऐसी जनजाति है जिसके रंग रूप की बनावट ही अलग होती है। जिस पर नाकारात्मक सोच आपकी सफलता को बाधित कर सकती है।डॉक्टर रेणुका मास केरकेट्टा का कहना है कि आपने परशनेलिटी को निखार कर सब के सामने प्रस्तुत करना चाहिए। अपनी तुलना किसी न करें.. बल्कि सपने देखें और सपनों को पूरा करने का प्रयास करें।फाइनल बड़े मुकाम को हासिल करने के बाद भी डॉक्टर रेणुका ने अपने बड़े और बुजुर्गो का सम्मान करना नहीं भूला सौन्दर्य प्रतियोगिता में मिसेज एशिया बनने के बाद अपनी मां का पैर छूकर आशीर्वाद लिया..यही हमारी संस्कृति की पहचान है। अगर आपमें काबिलियत है तो अपने सपने को उड़ान दें। 47 साल की उम्र में मिसेज एशिया और अब मिसेज युनिवर्स की तैयारी युवाओं के लिए मिसाल है।

ओड़िसा का गांजा तस्कर 3 किलो गांजा सहित गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर , 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देश के बाद अवैध कारोबार करने वालों पर पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में थाना भटगांव की पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ओड़िसा निवासी मनोज महानंद गांजा बिक्री करने बस द्वारा अम्बिकापुर से लटोरी होते हुए सोनगरा आने वाला है।

शनिवार, 27 को थाना भटगांव की पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर अम्बिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग के ग्राम सोनगरा पहुंची इसी दौरान बस से मनोज महानंद पिता ललिंद्र महानंद उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम कइतरा, थाना किंजिरकेला, जिला सुन्दरगढ़ (ओड़िसा) उतरा और पुलिस वाहन को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसके कब्जे से 3 किलो मादक पदार्थ गांजा कीमत करीब 90 हजार रूपये का जप्त किया गया। मामले में गांजा जप्त कर धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है।

शिवानी सोनी को वसुंधरा अवार्ड से किया गया सम्मानित

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ अम्बिकापुर की रहने वाली शिवानी सोनी ने बढ़ाया अम्बिकापुर का मान 21-08-22 को छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में उपासना फाउंडेशन के द्वारा वसुंधरा अवार्ड से सम्मानित किया गया छत्तीसगढ़ की शिवानी सोनी को छत्तीसगढ़ की प्रथमं अंतर्ष्ठीय इस्तर पर 3 विश्व कप खेलने वाली महिला का अवार्ड दिया गया जिसमें शिवानी सोनी ने 3 विश्व कप खेल कर 2 में ब्रांच मैडल लाने वाली महिला बनी साथ

ही साथ 75 स्वस्न्त्र दिवस पर छत्तीसगढ़ की टॉप 5 पावर फुल वुमन में भी उनको सामिल किया गया है शिवानी सोनी ने फिर एक बार अम्बिकापुर का बढ़ाया मान।

दादी मंदिर में महा मंगल पाठ संपन्न

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। भादी मावस के उपलक्ष में दादी रानी सती मंदिर सतीपारा अंबिकापुर में तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न किया गया। कोलकाता से आये प्रसिद्ध गायक अमित शर्मा जी एवं प्रसिद्ध गायिका शीतल शर्मा नृत्य नाटिका कलकत्ता के कृष्ण कन्हैया डांस ग्रूप के साथ महा-मंगल पाठ का गायन किया गया सभी दादी भक्तों ने बड़े उत्साह से तीन दिवसीय कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया महिला मंडली की सभी बहने कई दिनों से कार्यक्रम को संपन्न कराने अपना भरपूर समय दिए साथ ही सत्तीपारा के सभी दादी प्रेमी बहनों ने बढ़-चढ़ कर कार्यक्रम को संपन्न कराने में अपना सहयोग दिया इसके लिए मंडली की अध्यक्ष श्रीमती राजरानी अग्रवाल ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। आने वाले सातवें वार्षिक उत्सव में विशाल रूप से उत्सव मनाने के लिए निवेदन किया है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने अपनी मांगों को लेकर विधायक प्रीतम राम को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के द्वारा आज अपनी मांगों के संबंध में एक एक बात पूर्ण ज्ञापन मुंद्रा विधायक प्रीतम राम को प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा तथा उनसे अपनी मांगों के संबंध में विस्तार से चर्चा कर अवगत कराया शासन से अपनी मांगों को जल्द पूरा कराने के लिए ज्ञापन दिया इसी क्रम में छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन ने प्रतिनिधि मंडल के द्वारा आज प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री माननीय टीएस सिंह देव जी को भी अपनी मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपकर अपनी बात रखी उन्होंने हमें भरोसा दिलाया कि शासन की ओर से आपको पूरा सहयोग दिया जाएगा दिनांक 288 2022 को दिन

रविवार समय दोपहर 12:00 बजे से धरना स्थल पर सुंदरकांड का पाठ तथा 100 औषधीय पौधों वितरण तथा रोपण का कार्यक्रम रखा गया है जिसमें समस्त अधिकारी कर्मचारी शिक्षक बंधुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में धरना स्थल पर पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनावे आज के धरने में प्रमुख रूप से फेडरेशन के संभागीय संयोजक कौशलेंद्र पाण्डेय, जिला संयोजक कमलेश सोनी संभागीय प्रवक्ता इमेल स्वर्णकार किधर निश्चित कालीन हड़ताल आज अनवरत छठे दिन भी जारी रहा आज के धरने में प्रमुख रूप से डिप्लोमा अभियंता संघ एस्सेल मालवीय एनके जैन अरुण मिश्रा आनंद सिंह राजपूत अधिकारी संघ से डॉक्टर सीके मिश्रा लिपीक वर कर्मचारी संघ से श्री अखिलेश सोनी, रविवार कर्मचारी संघ से नवीन केसरी, शिक्षक संघ से श्री सतीश तिवारी मनोज तिवारी अनिल सिंह सिंह मचली मचली राकेश मिश्रा कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ से प्रमोद सिंह वन कर्मचारी संघ से अजीत सिंह सहित शिव जी मिश्रा सत्येंद्र पांडे आलोक कुशवाहा पाठक विश्वास तिवारी, नितेश पाण्डेय, तिरुपति शर्मा, पटवारी संघ से श्रीकांत चौबे, न्यायालय कर्मचारी संघ से नीरज सोनी, विजेंद्र यादव, अशोक यादव, ओमप्रकाश सोनी शामिल रहे।

बंदर के उत्पात से लोग रहे परेशान

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। दर्रीपारा जेल तालाब व मंदिर के पास एक उत्पाती बंदर ने शनिवार की सुबह से लोगों को परेशान कर रखा था, जिससे लोगों को काफी दिक्कत हो रही थी। बंदर कुत्ते के तीन छोटे बच्चों को काटकर जख्मी करने में लगा था। इसकी आवाज सुनकर अलसुबह पांच बजे लोग घरों से निकले तो सामने उत्पाती बंदर को देख उनके होश उड़ गए। यहां आसपास रहने वाले लोग भी बंदर की हरकत देख खतरा महसूस कर रहे थे। सभी अपने बच्चों को घर के अंदर सुरक्षित कर बंदर के चंगुल से कुत्ते के बच्चों को बचाने की कोशिश करने में लगे थे। कुछ लोगों ने इसकी सूचना बेजुबान संस्था को दी। सूचना मिलने पर संस्था के अध्यक्ष सुधांशु शर्मा व तरुण यादव मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू कर पहले कुत्ते के बच्चों को बचाने का प्रयास किया। इस दौरान बंदर ने संस्था के कुछ सदस्यों को भी जख्मी की दिया। काफी मशक्कत के बाद बंदर के चंगुल से कुत्ते के बच्चों को छुड़ाने में सफलता मिली। बंदर ने एक कुत्ते के बच्चे को जख्मी कर दिया है, दो स्वस्थ हैं। इसके बाद मोहल्ले के लोगों के संयुक्त प्रयास से बंदर को इलाके से भगाया गया। घायल कुत्ते के बच्चे को बेजुबान संस्था द्वारा डॉग सेल्टर में रखा गया है।

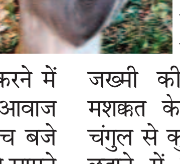

ईमानदारी का मिसाल पेश,सड़क पर मिले रुपए को थाने में सौंपा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। कागज में लिपटे नोटों के बंडल को माइक्रोफाइनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर ने अपने सहयोगी के साथ कोतवाली पहुंचकर सौंपा, उनकी ईमानदारी को देख शुक्रवार की शाम थाना का प्रभार संभाले रूपेश नारंग ने मुंह मीठा कराया।

कंपनी के ब्रांच मैनेजर सनलाल पटेल ने बताया कि वे मूलतः बिलासपुर के रहने वाले हैं और अंबिकापुर के मिशन चौक के पास माइक्रोफाइनेंस कंपनी का संचालन करते हैं। शनिवार को वे अपनी कंपनी के काम से सहयोगी जयप्रकाश सिंह के साथ परसा गए थे। यहां से वापस आते समय रामानुजगंज रोड में संजय पार्क के पहले स्थित पेट्रोल पंप की ओर से गुजर रहे थे तभी उन्होंने पीले रंग के कागज में लिपटा कुछ गिरा देखा, जिसमें रबर बैंड लगा था। जब उन्होंने उसे उठाया तो उसमें नोट थे। नोट किसका है, इस उलझन में नहीं पडने के बजाए वे अपने कर्मचारी के साथ सीधे कोतवाली पहुंचे और कागज में लिपटे नोट का बंडल कोतवाली प्रभारी उपनिरीक्षक रूपेश नारंग को थमा दिया। माइक्रोफाइनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर के ईमानदारी की कोतवाली प्रभारी ने प्रशंसा की और उन्हें मुंह मीठा करा विदा किया। कोतवाली प्रभारी ने कहा नोट जिस स्थिति में लाकर सौंपा गया है, उसे वैसे ही सुरक्षित रखा जाएगा। अगर कोई कागज में लिपटे नोट गिरने का दावा करता है तो उससे नोटों के संबंध में आवश्यक जानकारी हासिल करने के बाद ही सुपुर्द किया जाएगा।

8 मिनट की इस स्पीच ने मचाया तहलका,एक झटके में मस्क-बेजोस से लेकर बिल गेट्स तक की घटी दौलत

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2022। संकट में चल रही अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए यूएस फेडरल रिजर्व एक बार फिर ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। इस खबर भर से शुक्रवार को अमेरिकी मार्केट में तहलका मच गया और अमेरिकी अरबपतियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। दरअसल, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, यूएस फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने जैक्सन होल व्योमिंग में कैनसस सिटी फेड के वार्षिक नीति मंच में आठ मिनट का एक अहम भाषण दिया। पॉवेल के भाषण ने यह स्पष्ट कर दिया कि फेड मुद्रास्फीति पर मुहर लगाने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि जारी रख सकता है। इस खबर के बाद शुक्रवार को अमेरिकी मार्केट टूट गया।

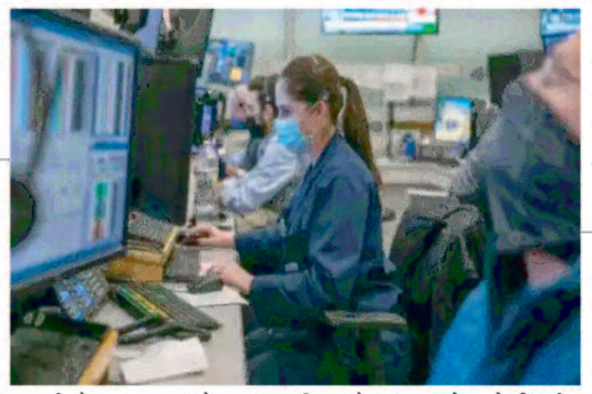

अमेरिकी शेयरों में गिरावट

बता दें कि जेरोम पॉवेल के भाषण के बाद अमेरिकी शेयरों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। तीनों प्रमुख इंडेक्स- डॉव जोन्स, एसएंडपी और नैस्डैक करीबन तीन प्रतिशत या उससे अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। ब्लूमबर्ग के अनुसार, केवल आठ मिनट के अंतराल में पॉवेल के भाषण ने एक बाजार को तहस-नहस कर दिया, जिसने अमेरिकी अरबपतियों की संपत्ति को 78 बिलियन डॉलर तक कम कर दिया।

एलन मस्क से लेकर जेफ बेजोस तक को नुकसान

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क की संपत्ति में शुक्रवार को 5.5 बिलियन डॉलर से अधिक की गिरावट देखी गई। उनकी कुल संपत्ति 27 अगस्त, 2022 तक 254 बिलियन डॉलर है। जबकि दूसरे सबसे अमीर जेफ बेजोस को शुक्रवार को 6.8 बिलियन का नुकसान हुआ।

इस बीच ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, बिल गेट्स और वॉरेन बफेट की संपत्ति में क्रमशः 2.2 बिलियन डॉलर और 2.7 बिलियन डॉलर की गिरावट आई। जबकि सर्गेई ब्रिन की संपत्ति 100 बिलियन डॉलर से कम हो गई। बता दें कि ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स दुनिया के सबसे अमीर लोगों की दैनिक रैंकिंग है। आंकड़े न्यूयॉर्क में हर कारोबारी दिन के अंत में अपडेट किए जाते हैं।

देश की इकोनॉमी के लिए बुरी खबर,2 साल के निचले स्तर पर आया विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2022। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 19 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 6.687 अरब डॉलर घटकर 564.053 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 12 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 2.238 करोड़ डॉलर की गिरावट आई थी और यह घटकर 570.74 अरब डॉलर पर आ गया था।

रिजर्व बैंक के मुताबिक 19 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट का मुख्य कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) और स्वर्ण भंडार का कम होना है। साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, सप्ताह में एफसीए 5.77 अरब डॉलर घटकर 501.216 अरब डॉलर रह गयी। इसी तरह, स्वर्ण भंडार का मूल्य 70.4 करोड़ डॉलर घटकर 39.914 अरब डॉलर रह गया।

इस सप्ताह में, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 14.6 करोड़ डॉलर घटकर 17.987 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार भी 5.8 करोड़ डॉलर गिरकर 4.936 अरब डॉलर रह गया।

कर्ज में डूबी पावर कंपनी की बदलेगी किस्मत!

खरीदने की रेस में अंबानी,अडानी

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2022। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और गौतम अडानी की फर्म अडानी पावर के बीच एक कंपनी के अधिग्रहण को लेकर टक्कर होने की संभावना है। दरअसल, संकटग्रस्त थर्मल पावर उत्पादक लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड का अधिग्रहण करने के लिए दोनों ही कंपनियों ने बाध्यकारी बोलियां जमा की हैं। इसके अलावा पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने भी आरईसी लिमिटेड के साथ साझेदारी में बोली लगाई है। इस तरह, लैंको अमरकंटक पावर के अधिग्रहण की रेस में तीन कंपनियां शामिल हैं।

रिलायंस का ऑफर- सबसे अधिक पेशकश रिलायंस इंडस्ट्रीज का है। रिलायंस ने लगभग 1,960 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। वहीं, गौतम अडानी की अडानी पावर ने 1,800 करोड़ रुपये की पेशकश की गई है। इसके अलावा पावर फाइनेंस-आरईसी कंसोर्टियम ने 3,400 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है।

बता दें कि लैंको अमरकंटक पावर फर्म कर्ज से जूझ रही है। भारी कर्ज की वजह से कंपनी दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है। इस कंपनी के अधिग्रहण के लिए पहले भी बोलियां जमा कराई गई थीं। इन कंपनियों में वेदांता ने 3000 करोड़ रुपये का ऑफर दिया था। ओपी जिंदल-प्रमोटेड जिंदल पावर लिमिटेड, ट्विन स्टार टेक्नोलॉजीज, ओकट्री कैपिटल और पीएफसी ने भी इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई थी।

लैंको छत्तीसगढ़ में कोरबा-चांपा राज्य राजमार्ग पर कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना संचालित करता है। इसने पहले चरण को चालू किया है जिसमें 300 मेगावाट की दो इकाइयां शामिल हैं। यह मध्य प्रदेश, हरियाणा को बिजली की आपूर्ति करती है। दूसरे चरण का काम चल रहा है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक तीसरे चरण का भी प्रस्ताव है लेकिन काम अभी शुरू नहीं हुआ है।

गूगल का एक्शन,यूजर्स की सुरक्षा के मद्देनजर प्ले स्टोर से हटाए 2000 ऐप्स

नई दिल्ली ,27 अगस्त 2022। गूगल ने ऐप स्टोर गूगल प्ले स्टोर पर मौजूद ऐप्स पर एक बार फिर से कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के तहत एक या दो ऐप्स नहीं बल्कि 2000 को डिलीट कर दिया गया है। गूगल ने इन ऐप्स पर कार्रवाई भारतीय रिजर्व बैंक की नई नीति के आने के बाद लिया है। दरअसल, हाल ही में गूगल ने डिजिटल लेंडिंग ऐप्स पर निगरानी बढ़ा दी थी। गूगल ने इससे पहले भी कई ऐप्स पर कार्रवाई की है। गूगल ने हाल ही में आरबीआई के नए नियम आने के बाद पर्सनल लोन ऐप्स के लिए न्यू पॉलिसी को पेश किया है। इसके तहत पता चला कि यह भारतीय यूजर्स के लिए नुकदायक साबित हो सकते हैं। इसके बाद गूगल ने इन ऐप्स को डिलीट करने का फैसला लिया है। यह जानकारी गूगल एशिया पैसेफिक के ट्रस्ट और सेफ्टी के डायरेक्टर और सीनियर डायरेक्टर साइकत मित्रा ने दी है। मित्रा ने बताया है कि हाल ही में दुनिया भर में पर्सनल लोन या बैंकिंग सुविधा के चलते लोगों के साथ धोखाधड़ी हो रही है, जिससे लोगों को बचाने के लिए ये कदम उठाया गया है। उन्होंने आगे बताया है कि जब से उन ऐप्स को अपलोड किया गया है।

कंपनी बेचेगी अपना पोर्ट कारोबार

19,000 करोड़ रुपये की है यह डील

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2022। एस्सार समूह ने शुक्रवार को आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील लिमिटेड को अपने कुछ बंदरगाहों और बिजली बुनियादी ढांचा बेचने के लिए एक सौदे की घोषणा की। यह सौदा 2.4 अरब डॉलर (19,000 करोड़ रुपये) में हुआ है। यह भारत में महामारी के बाद हुए बड़े विलय और अधिग्रहण सौदों में एक है।

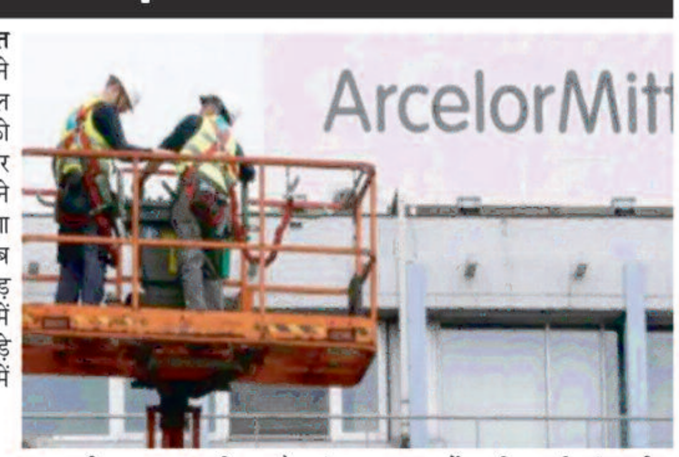

क्या कहा एस्सार ने ?

एस्सार ने एक बयान में कहा कि उसने कुछ बंदरगाहों और बिजली बुनियादी ढांचे की परिसंपत्तियों को बेचने के लिए आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील के साथ एक बाध्यकारी समझौता किया है। ये परिसंपत्तियां मुख्य रूप से हजीरा इस्पात संयंत्र के परिचालन से संबंधित हैं।

बयान में कहा गया, ''इस सौदे में गुजरात के हजीरा में 10 लाख टन सालाना एलएनजी टर्मिनल बनाने के लिए एस्सार और आर्सेलर मित्तल के बीच 50-50 प्रतिशत के संयुक्त उद्यम साझेदारी की भी व्यवस्था है।''

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील ने क्या कहा?

बयान में अधिक विवरण दिए बिना सिर्फ कुछ बंदरगाहों और बिजली अवसंरचना के बारे में बताया गया, जो मुख्य रूप से हजीरा इस्पात संयंत्र के संचालन से जुड़े थे। आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील (एएम/एनएस) ने 2018-19 में इस इस्पात संयंत्र का अधिग्रहण किया था।

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील ने एक अलग बयान में कहा कि इस सौदे में गुजरात, आंध्र प्रदेश और ओडिशा स्थित बंदरगाह संपत्तियों के साथ ही हजीरा में दो बिजली संयंत्र और एक बिजली पारेषण लाइन शामिल हैं। कंपनी ने 2018-19 में दिवालियापन की कार्यवाही में एस्सार स्टील का लगभग 42,000 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया था। हालांकि, बाद में यह मामला अदालत में चला गया। इस बारे में अब दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.7 अरब डॉलर घटकर 564.05 अरब डॉलर पर

मुंबई ,27 अगस्त 2022। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी आने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 6.7 अरब डॉलर घटकर लगातार तीसरे सप्ताह गिरता हुआ 564.05 अरब डॉलर रह गया।

इसके पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में 2.24 अरब डॉलर की कमी आई और यह घटकर लगातार दूसरे सप्ताह गिरता हुआ 570.74 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 19 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.8 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 501.21 अरब डॉलर रह गयी। इस अवधि में स्वर्ण भंडार भी 70.4 करोड़ डॉलर घटकर 39.91 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 14.6 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 17.98 अरब डॉलर पर रहा।

कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करने के दौरान ना करें ये गलतियां,आंखों को होता है नुकसान

आज के इस समय में हर कोई तकनिकी का इस्तेमाल करते हुए खुद को अपडेट रखना चाहता हैं। ऐसे में देखने को मिलता हैं कि लोग अपनी आंखों के लिए चश्मे की जगह कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करने लगे हैं। खासतौर से महिलाएं चश्मा लगाने से कतराती हैं क्योंकि वे अपनी पर्सनैलिटी को बेहतर दिखाने की कोशिश में लगी रहती हैं। लेकिन कई बार महिलाएं कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करने के दौरान कुछ गलतियां कर बैठती हैं जिसकी वजह से आंखों को भी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ बातें बताने जा रहे हैं जिन्हें कॉन्टेक्ट लेंस लगाते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए। आइये जानते हैं इनके बारे में...

लगाने से पहले हाथों को धोएं

कई बार महिलाएं इतनी जल्दी में होती हैं कि हाथों को बिना धोएं आंखों में लेंस लगा लेती हैं। इससे आपकी आंखों में इंफेक्शन हो सकता है। जी हां हाथों से आंखों में बैक्टीरिया और कीटाणु बहुत आसानी से चले जाते हैं। इसलिए जब भी लेंस लगाएं उससे पहले अपने हाथों को जरुर धो लें। ज्यादा तेल वाले साबुन का इस्तेमाल ना करें और एक बार हाथ धोने के बाद टॉवल की हेल्प से हाथों को जरुर ड्राई कर लें। हाथों को पोंछने के लिए रोंए वाले टॉवल का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। क्योंकि सूक्ष्म रोंए आंखों में जाकर आपके लिए बड़ी समस्या पैदा कर सकता है।

पाउडर और आईशैडो का नहीं करें उपयोग

एक बार अगर आपने कांटेक्ट लेंस लगा लिया है। तो इसके बाद आप पाउडर और आईशैडो का उपयोग नहीं करें तो बहुत अच्छा है। क्योंकि कई बार पाउडर आंखों के अंदर जाने से आंखों में खुजली और जलन की समस्या हो जाती है। ऐसे में आपको पाउडर और आईशैडो दोनों के उपयोग से बचना चाहिए। दरअसल आईबॉल के पास ऑयल ग्लैंड होता है। अगर इस जगह पर मेकअप अप्लाई किया तो लेंस जल्दी गंदा हो सकता है और आंखें ड्राई हो सकती है। इसलिए आंखों से किनार में मेकअप लगाने से परहेज करें।

ऐसे समय में लेंस पहनने से बचें

स्वीमिंग करते समय, बाइक चलाते समय, तेज आंधी के वक्त कांटेक्ट लेंस का उपयोग नहीं करना चाहिए। दरअसल बाइक पर या तेज आंधी में आंखों में धूल जाती है, जिससे लेंस में स्क्रेच आ सकते हैं और इनके खराब होने डर तो रहता ही है साथ ही इंफेक्शन का डर भी बना रहता है।

लेंस लगाकर सोने से बचें

कॉन्टेक्ट लेंस लगाने से पर्यावरण में ड्राईनेस और आंखों तक कम ऑक्सीजन पहुंचने की वजह से आंखों में इंफेक्शन होने का ज्यादा खतरा होता है। जब आप सोती हैं तो आंखें बंद होती हैं जिससे लेंस से बैक्टीरिया आंखों में आ जाते हैं और जलन होने लगती है। इसलिए सोते समय अपनी आंखों से लेंस लगाकर ही सोएं।

लेंस बॉक्स को साफ करना ना भूलें

लेंस के साथ उसे रखने वाले बॉक्स का भी उतना ही ध्यान रखना चाहिए। जब भी लेंस का इस्तेमाल करें उसके बाद सॉल्यूशन को बदलकर बॉक्स को अच्छे से सुखा लें। इसके लिए सबसे अच्छा होगा कि आप लेंस रखने वाले बॉक्स को 3 महीने बाद बदल लें। और हर बार लेंस को स्टोर करते समय बॉक्स में नए सॉल्यूशन का इस्तेमाल करें। कॉस्मेटिक लोशन, क्रीम या स्प्रे के संपर्क में न आने दें। लेंस को साफ करने के बाद गीला न रखें, क्योंकि नमी में सूक्ष्मजीवों के पनपने का खतरा रहता है।

आंखों को नहीं मसले

कांटेक्ट लेंस लगाने के बाद अगर आप आंखों पर और कुछ लगाते हैं। तो इससे कई बार खुजली चलने की संभावना बढ़ जाती है। खुजली करने से आपकी आंखों में लगा लेंस खराब होने और आंखों में इंफेक्शन का भय हो जाता है। इसलिए कोशिश करें कि एक बार कांटेक्ट लेंस लग जाए तो उसके बाद आंखों में कुछ नहीं लगाएं।

तय समय पर बदलें लेंस

जब तक लेंस लगाने की सलाह दी गई है, उसे तब तक ही लगाएं। तय समय के बाद तक इसे उपयोग करने पर आंखों को नुकसान पहुंच सकता है। लेंस केस को भी तीन महीने बाद बदल देना चाहिए। इसे हर दिन साफ करें और अच्छे से इसके लिक्विड में ही इसे रखें।

लेंस से आंखों में ड्राईनेस

प्लास्टिक होने के कारण आंखों को डायरेक्ट लुब्रिकेट नहीं मिल पाता है। ऐसे में लंबे समय तक कॉन्टेक्ट लैंस लगाने से ड्राइनेस की समस्या बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए बाहर निकलते समय धूप का चश्मा लगाएं, लंबे समय तक कॉन्टेक्ट लेंस न लगाएं, पंखे की डायरेक्ट हवा ना लगे, आंखों में जलन होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बेहतर साफ-सफाई रखनी चाहिए और इस लेंस को एक महीने के बाद फेंक देना चाहिए।ह्य

थैरेपी की तरह काम करती है स्वीमिंग, सेहत को पहुंचाती हैं इस तरह फायदे

सेहतमंद रहने के लिए अपनी दिनचर्या में आपको व्यायाम और एक्सरसाइज़ को शामिल करने की जरूरत होती हैं ताकि शरीर के सभी अंग उचित तरीके से काम करें। ऐसे में आप अपनी दिनचर्या में स्विमिंग को शामिल कर सकते हैं जो शरीर के लिए एक संपूर्ण व्यायाम है। स्वीमिंग एक थैरेपी की तरह काम करती है जो शरीर की फ्लैक्सिबिलिटी बढ़ाने के साथ ही फिटनेस में सुधार लाने का काम करती हैं। 25 से 30 मिनट रोज स्विमिंग आपको कई तरह के फायदे पहुंचाती हैं जिसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं। अगर आपने कभी भी स्विमिंग नहीं की है तो आपको स्विमिंग के ये फायदे जरूर जान लेने चाहिए।

पूरे शरीर का वर्कआउट

स्विमिंग में आपके शरीर के सभी अंग शामिल होते हैं आप किसी भी प्रकार से स्विमिंग करें आपके पूरे शरीर का एक साथ व्यायाम हो सकता है। इसके अलावा, पानी में की जाने वाली गतिविधियां आपके शरीर से अधिक मेहनत करवाती हैं इसलिए पानी में किया गया 30 मिनट का व्यायाम जमीन पर 40 मिनट तक किए जाने वाली एक्सरसाइज के बराबर होता है। अगर आप स्वीमिंग करते हैं तो आपकी शरीर की एक्सरसाइज के साथ ही अन्य रोगों से भी राहत मिलती है।

वजन पर नियंत्रण

यह शरीर की एक्सट्रा कैलोरी बर्न करने में मदद करती है। इससे व्यक्ति को डिहाइड्रेशन का सामना नहीं करना पड़ता और बॉडी शेप में रहती है। शरीर में लचीलापन लाने के लिए यह बेहतर व्यायाम है। अच्छी तरह स्विमिंग की जाए तो लगभग आधे घंटे में 200 कैलोरीज बर्न की जा सकती हैं जो व्यायाम के तौर पर पैदल चलने की मात्रा में दोगुना है तेजी से स्विमिंग करना दौड़ने और साइकिल चलाने की तुलना में ज्यादा कैलोरी बर्न करके आपको फिट बनाने में मदद करता है।

हृदय गति बनती हैं बेहतर

दूसरी मांसपेशियों की ही तरह हमारा हार्ट भी एक तरह का मसल्स ही होता है, जिसे आप मजबूती प्रदान कर सकते हैं। प्रत्येक धड़कन के साथ हार्ट ब्लड पम्प करता है और पूरे शरीर में ब्लड सप्लाई करता है। लोअर रेस्टिंग हार्ट के स्वास्थ्य लाभ का मतलब है कि आपको दिल की बीमारियों का खतरा कम है और तैराकों की लोअर रेस्टिंग हार्ट रेट 40 हार्ट बीट प्रति मिनट होती है। एक औसत व्यक्ति के लिए लोअर रेस्टिंग हृदय गति 60-70 बीट प्रति मिनट होती है। साथ ही इससे शरीर के लिए जरूरी हाई डेंसिटी लाइपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है। ये बैड कोलेस्ट्रॉल बढने से रोकता है।

मजबूत होंगे आपके मसल्स

यदि रोजाना नियमित रूप से स्विमिंग की जाए जो किसी और एक्सरसाइज या कसरत का करना जरुरी नहीं होता तैराकी आपकी मांसपेशियों को बढ़ाने और उनमें मजबूती पैदा करने में मदद करती है आपकी मांसपेशियां बढ़ती हैं और मजबूत भी होती हैं। तैराकी के लिए एक्सरसाइज की तुलना में अधिक मेहनत की जरुरत होती है यही वजह है कि यह अधिक मेहनत आपके शरीर में मसल्स को सेहतमंद बनाने में बहुत मददगार साबित होती हैं।

डायबिटीज का खतरा होगा कम

डायबिटीज टाइप-1 व 2 दोनों के मरीजों के लिए स्वीमिंग एक थैरेपी की तरह काम करती है। तैराकी से कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होने लगती है जिससे वजन और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। इस वजह से शुगर लेवल में भी उतार-चढ़ाव नहीं होता है।

ब्लड सर्कुलेशन में होता हैं सुधार

तैरने से आपकी हृदय गति में सुधार होता है, जिससे शरीर में रक्त की आपूर्ति बढ़ जाती है। बढ़े हुए ब्लड सर्कुलेशन से उन क्षेत्रों में सुन्नता और झुनझुनी की समस्या कम होती है, जहां ब्लड सर्कुलेशन सही तरीके से नहीं हो पाने के कारण ये समस्याएं महसूस होती हैं।

स्ट्रेस और तनाव कम करने में मददगार

जब आप किसी भी चीज के कारण तनाव में हों या आमतौर पर आपका मूड अच्छा न हो तो स्विमिंग के लिए जाएं नियमित रूप से तैरने पर तनाव का स्तर कम किया जा सकता है, डिप्रेशन की समस्या और एंग्जायटी की समस्या में कमी लाई जा सकती है और बेहतर नींद प्राप्त की जा सकती है मानसिक फायदे प्राप्त करने के लिए हल्की-फुल्की स्विमिंग करें।

पनीर को कैसे रखें एक्सट्रा सॉफ्ट और पूड़ी कैसे बनाएं खस्ता,जानें स्मार्ट कुकिंग टिप्स

क्या आपका खाना अक्सर बच जाता है? तो आप इस खाने का क्या करते हैं? आप अगर यह खाना जानवरो और पक्षियों को दे देते हैं, तो यह बहुत अच्छी बात है लेकिन अगर आप इसे डस्टबिन में डाल देते हैं, तो आपको कुछ स्मार्ट कुकिंग टिप्स सीखने की जरूरत है जिससे आप रात के बचे खाने से सुबह अच्छी-अच्छी डिश बना सकें। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही स्मार्ट कुकिंग टिप्स, जो न सिर्फ आपका कुकिंग टाइम बचाएंगे बल्कि आप आसानी से नई-नई डिशेज भी चख सकेंगे।

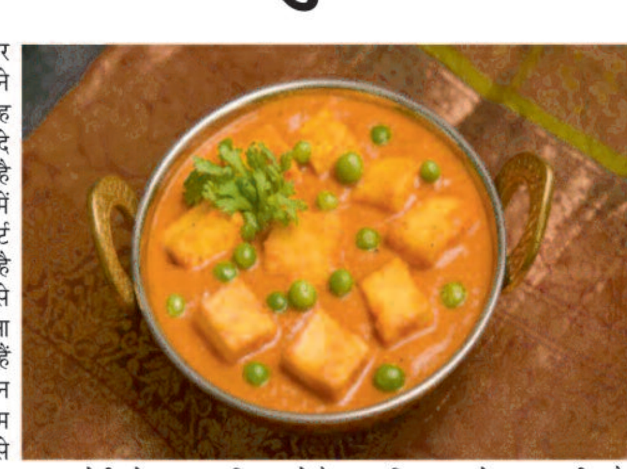

आलू को जल्दी कैसे छिलें

आलू उबालते समय इसमें एक चुटकी नमक डाल दें, इससे छिलके आसानी से छिल जाते हैं।

पनीर को सॉफ्ट कैसे करें

गर्म नमक का पानी पनीर को नरम करता है और ग्रेवी को आसानी से सोख लेता है। यह पनीर को फिर से नरम करने का सबसे अच्छा तरीका है।

ग्रेवी ज्यादा स्वादिष्ट कैसे बनाएं

ग्रेवी को ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के लिए सबसे पहले प्याज डालें, फिर लहसुन और फिर अदरक और टमाटर क्योंकि हर सब्जी का अपना खाना पकाने का समय होता है।

मटर का रंग रखें बरकरार

मटर को उबालने से पहले चीनी मिला लें ताकि मटर का रंग हरा बना रहे। इससे सब्जी भी स्वाद बनती है।

खीर को जलने से कैसे बचाएं

भारी तले का पैन भोजन को जलने से रोकने में मदद करता है, इसलिए आपको हलवा, खीर जैसी चीजें बनाने के लिए भारी बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

खस्ता पूड़ी

सूजी असल में पूरी को कुरकुरे बनाने में मदद करता है। आटा गूंदते समय 2-3 टेबल स्पून डालें।

पास्ता नूडल्स को कैसे करें अलग

ठंडा और गर्म पानी डालने से पतले नूडल्स और पास्ता आसानी से अलग हो जाते हैं और चिपकते नहीं है।

इमरान की पार्टी की प्रांतीय सरकार ने आईएमएफ से कर्ज के रास्ते में डाली अड़चन

इस्लामाबाद , 27 अगस्त 2022। पाकिस्तान में बढ़ रहे राजनीतिक टकराव के कारण यहां आर्थिक संकट के और गंभीर रूप लेने की आशंका पैदा हो गई है। खैबर पख्तूनवा प्रांत की सरकार ने इस साल अपने बजट को लाभ में लाने का लक्ष्य मानने से इनकार कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को कर्ज की अगली किस्त देने के लिए शर्त लगाई है कि देश के सभी प्रांतों को अपने बजट को इसी वित्त वर्ष में घाटे से निकाल कर सरप्लस (बचत) में लाना होगा। प्रांतीय सरप्लस की परिभाषा इस रूप में की गई है कि प्रांतों को संघीय सरकार से जो धन मिलता है, उसमें वे बचत दिखाएं। यानी उसे पूरा खर्च ना करें।

बीते जुलाई में शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली संघीय सरकार ने आईएमएफ के साथ जिस सहमति पत्र पर दस्तखत किए, उसमें यह शर्त शामिल थी कि प्रांतीय सरकारें मिल कर 750 अरब (पाकिस्तानी) रुपये की बचत कर वह रकम केंद्र को लौटाएंगी। खैबर पख्तूनवा प्रांत की सरकार ने भी इस दस्तावेज को स्वीकार कर लिया था। इस प्रांत में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है।

अब खैबर पख्तूनवा ने संघीय सरकार को चिट्ठी लिख कर बताया है कि वहां की सरकार इस वर्ष अपने बजट को सरप्लस में लाने में असमर्थ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि संघीय सरकार ने प्रांत की मुख्य चिंताओं को दूर नहीं किया, जबकि ऐसा होने की शर्त पर ही प्रांतीय सरकार आईएमएफ की शर्त मानने को तैयार हुई थी। इन चिंताओं में संघ प्रशासित कबीलाई इलाकों के लिए धन उपलब्ध कराना और कबीलाई इलाकों के

लिए विशेष फंड का ट्रांसफर करना शामिल था।

विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि खैबर पख्तूनवा सरकार ने यह चिट्ठी आईएमएफ बोर्ड की बैठक से सिर्फ तीन दिन पहले संघीय सरकार को भेजी है। आईएमएफ बोर्ड की बैठक 29 अगस्त को होने वाली है, जिसमें पाकिस्तान के लिए 1.18 बिलियन डॉलर का कर्ज जारी करने पर फैसला होना है। खैबर पख्तूनवा सरकार ने यह भी कहा है कि अभी आई बारिश और बाढ़ की आपदा के कारण प्रांत को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ऐसे में उसके लिए बचत करना और मुश्किल हो गया है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के मुताबिक खैबर पख्तूनवा के इस रुख के पीछे सियासी पहलू भी हैं। आईएमएफ ने जो शर्तें थोपी हैं, उनके तहत शहबाज शरीफ सरकार ने पेट्रोलियम और बिजली के दाम में भारी बढ़ोतरी की है। उसकी वजह से देश में आम महंगाई दर भी चढ़ी है। इससे लोगों में भारी असंतोष है। इसके बीच पीटीआई नहीं चाहती कि उसे भी आईएमएफ की शर्तों को लागू करवाने में सहभागी माना जाए।

आईएमएफ के साथ सहमति पत्र पर दस्तखत के बाद से पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में 66 फीसदी और डीजल की कीमत में 92 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। इसके अलावा आईएमएफ ने सब्सिडी में भारी कटौती की शर्त रखी है, जिसकी मार गरीब तबकों पर पड़ेगी। शरीफ सरकार की दलील है कि पाकिस्तान के सामने इन शर्तों को मानने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। जबकि खैबर पख्तूनवा सरकार के ताजा रुख से इन शर्तों पर अमल के रास्ते में बड़ी अड़चन खड़ी होती दिख रही है। इससे आईएमएफ का कर्ज प्रोग्राम खटाई में पड़ सकता है।

बांग्लादेश में आखिर क्यों है श्रीलंका जैसे हालात बनने की आशंका ?

ढाका , 27 अगस्त 2022। बांग्लादेश में देश के श्रीलंका की राह जाने की आशंका बहुचर्चित हो गई है। पिछले कुछ दिनों में बढ़ी महंगाई और जरूरी चीजों के अभाव के कारण मीडिया से लेकर आम चर्चाओं में देश की तुलना श्रीलंका से की जा रही है। ये चर्चाएं इतनी तेज हैं कि श्रीलंका सरकार बार-बार लोगों को आश्वस्त कर रही है। उसके साथ ही कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों और ढाका स्थित अमेरिकी राजदूत ने भी सार्वजनिक बयान जारी कर कहा है कि बांग्लादेश की स्थिति श्रीलंका से काफी बेहतर है।

अर्थशास्त्रियों ने ध्यान दिलाया है कि बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पाकिस्तान और श्रीलंका की सम्मिलित अर्थव्यवस्था के बराबर है। बांग्लादेश के पास 39 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा है, जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका के पास साझा तौर पर सिर्फ 18 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा है। बांग्लादेश में जीडीपी की तुलना में कर्ज का अनुपात सिर्फ लगभग 32 फीसदी है, जबकि श्रीलंका में ये आंकड़ा 119 फीसदी तक पहुंच गया था। बांग्लादेशी अर्थशास्त्रियों ने यह भी ध्यान दिलाया है कि प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में बांग्लादेश भारत से भी आगे है।

इसके बावजूद मीडिया रिपोर्टों से साफ है कि बांग्लादेश के लोग आश्वस्त नहीं हैं। भू-राजनीति के विशेषज्ञ शफाकत राबी के मुताबिक इसकी वजह कई ऐसे पहलू हैं, जो श्रीलंका और बांग्लादेश में एक जैसे नजर आते हैं। उन्होंने टीवी चैनल अल-जजीरा की वेबसाइट पर एक

विश्लेषण में कहा है- 'दोनों देशों में वंशवादी तानाशाही, भ्रष्टाचार और क्रोनी कल्चर समान पहलू हैं।' उन्होंने ध्यान दिलाया है कि जिस तरह श्रीलंका पर राजपक्षे ने अपना वर्चस्व बना लिया था, उसी तरह बांग्लादेश में भी प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद के परिवार ने अपना एकछत्र राज कायम कर लिया है। शेख हसीना 14 वर्षों से सत्ता में हैं।

बांग्लादेश में ऐसी चर्चा रही है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना अपनी बेटी साइमा वाजेद को अपनी उत्तराधिकारी के तौर पर तैयार कर रही हैं। साइमा अब हर सरकारी समारोह में अपनी मां के साथ मौजूद रहती हैं। यहां दोनों मां-बेटी की तुलना महिंदा और गोटाबया राजपक्षे से की जाने लगी है। इसके अलावा शेख हसीना ने विदेश में रहने वाले भाई सजीब वाजेद, बहन रेहाना, भतीजा-भतीजियों, और उनके बच्चों को भी सरकारी भूमिका दे रखी है।

बांग्लादेश में एक चर्चा यह भी है कि जिस तरह राजपक्षे परिवार ने सफेद हाथी जैसे बड़े और महंगे प्रोजेक्ट्स में देश का संसाधन खर्च किया था, वैसा ही बांग्लादेश में हुआ है। पदमा नदी पर बने नए पुल को भी इसी श्रेणी में गिना जा रहा है। इसके अलावा 12 बिलियन डॉलर के खर्च से बने रूपपुर परमाणु बिजली संयंत्र से भी देश को अब तक कोई लाभ नहीं मिला है। इनमें से कई परियोजनाओं की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक ने आलोचना की है। पदमा पुल परियोजना के लिए वित्तीय सहायता विश्व बैंक ने बीच में ही रोक दी थी।

इन चर्चाओं के बीच ही सरकार ने बिजली खपत घटाने के लिए स्कूलों में हर हफ्ते एक दिन अतिरिक्त अवकाश और सरकारी दफ्तरों में कार्य घंटे घटाने का एलान किया। ऐसे ही कदम श्रीलंका में भी उठाए गए थे। महंगाई भी ऊंचे स्तर पर है। इन सब कारणों ने बांग्लादेश में श्रीलंका जैसे हालात पैदा होने का अंदेशा लोगों के मन में घर कर गया है।

कनाडा में मंकीपॉक्स के 1228 मामले

ओटावा ,27 अगस्त 2022। कनाडा में मंकीपॉस्क संक्रमण के अब तक 1228 मामले सामने आये हैं।

देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी (पीएचएसी) ने इसकी पुष्टि की है।

स्वास्थ्य एजेंसी के मुताबिक इनमें ओंटारियो में 582 , क्यूबेक में 478, ब्रिटिश कोलंबिया में 129 , अल्बर्टा में 31, सस्केचेवान में तीन, युकोन में दो तथा न्यू ब्रंसविक, मैनिटोबा और न्यू ब्रंसविक में एक-एक मामले दर्ज किये गये हैं।

एजेंसी ने प्रांतों और क्षेत्रों में इम्वाम्यून वैक्सीन की एक लाख से अधिक डोज उपलब्ध कराये हैं । अब तक 60 हजार से अधिक लोगों को कम से कम एक डोज दिये जा चुके हैं।

अमेरिका को रास नहीं आ रही रूस के साथ भारत की नजदीकियां

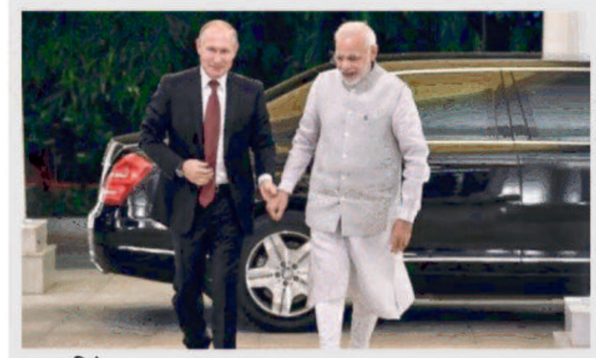

वाशिंगटन, 27 अगस्त 2022। यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान भारत-अमेरिका के बीच चल रही साझेदारी का सबसे अधिक मूल्यांकन किया गया। अमेरिका इस दौरान भारत को रूस के साथ रिश्ते कम करने की नसीहत भी देता रहा लेकिन भारत अपनी नीति से कभी नहीं डिगा। हालांकि, अमेरिका अभी भी कोशिश में लगा है कि किसी तरह से भारत की नजदीकियां रूस के साथ कम हो जाएं लेकिन, भारत अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाकर चल रहा है। रूस को कूटनीतिक और आर्थिक रूप से अलग-थलग करने में भारत को प्रोत्साहित करने के लिए अमेरिकी नीति निर्माताओं के बीच लगातार बैठकें भी हो रही हैं। अमेरिका कुछ तरह की योजना बना रहा है कि जिससे भारत का भरोसा रूस पर से कम हो जाए।

रूस से आने वाले तेल के दामों की सीमा तय करने के लिए भारत को मना रहा अमेरिका

दरअसल, भारत समेत कुछ देशों ने रूस से तेल की खरीद बढ़ा दी है और इसी को देखते हुए अमेरिका, रूस से आने वाले तेल के दामों की सीमा तय करना चाहता है। अमेरिका के उप वित्त मंत्री वैली अडेयेमो ने कहा कि भारत ने रूस से आने वाले तेल के दाम की सीमा तय करने के प्रस्ताव में गहरी दिलचस्पी दिखाई है।

अमेरिका अपने विदेश विभाग और रक्षा विभाग के साथ कर रहा बैठकें

रूस और भारत के रिश्ते में खटास डालने के लिए अमेरिका अपने विदेश विभाग और रक्षा विभाग से लगातार राय ले रहा है। इतना ही नहीं अमेरिका कोई बड़ी डील कर भारत को मनाना चाह रहा है। अगर इससे बात नहीं बनी तो फिर अपने संबंधों को कम करने पर भी विचार कर रहा है।

अमेरिका ने कई बार दी भारत को नसीहत

मोदी सरकार के रूस के साथ संबंधों को लेकर अमेरिका ने कई बार नाराजगी जताई है। बता दें कि यूक्रेन पर हमले के बाद भारत ने रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदा है। इतना ही नहीं वोस्तोक 2020 युद्धाभ्यास में भारत अब रूस में अपनी सेना भेजने जा रहा है। वहीं भारत को रूस से एस-400 की डिलीवरी भी मिली है। AK-203 राइफलों के कुछ बैचों को भी आधिकारिक तौर पर भारतीय सेना में शामिल किया गया है।

किस्तान में एक दशक की भीषण बाढ़ से बुरा हाल,आधा देश डूबा

इस्लामाबाद , 27 अगस्त 2022। पाकिस्तान के सिंध व बलूचिस्तान में बाढ़ से बुरा हाल है। एक दशक की भीषण बाढ़ से जूझ रहे देश के कई राज्यों में राहत व बचाव कार्यों में मदद के लिए सेना तैनात करने का फैसला किया गया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने शनिवार को बताया कि प्रभावित इलाकों में सेना को मदद करने का आदेश दिया गया है। बाढ़ से 3.30 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं।

पूरे पाकिस्तान में बाढ़ से अब तक 982 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 45 लोगों की मौत हुई है। गत 24 घंटों में 113 लोग घायल हुए हैं। इसके साथ ही घायलों की संख्या 1,456 हो गई है।

बाढ़ से सिंध व बलूचिस्तान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। यहां बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। पाकिस्तान रेलवे ने दोनों प्रांतों के कई इलाकों में ट्रेनें बंद कर दी हैं। वहीं, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने खराब मौसम के कारण शुक्रवार को बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के लिए उड़ानें रोक दीं।

गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत सेना को बुलाया गया है। यह सरकार को आपात स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन की मदद करेगी। बाढ़ ने देश के बुनियादी ढांचे को बुरी तरह प्रभावित किया है। एनडीएमए ने बताया कि 3,161 किलोमीटर से अधिक सड़क क्षतिग्रस्त हो गई और 149 पुल बह गए, जबकि 682,139 घर बाढ़ में पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। अभूतपूर्व बारिश के कारण पाकिस्तान में आई बाढ़ से देश का आधे से अधिक हिस्सा जलमग्न हो गया है। 110 जिलों में 57 लाख से अधिक लोग बगैर भोजन व ठिकाने के रहने को मजबूर हैं।

पाकिस्तान के पर्यावरण मंत्री शेरी रहमान ने बताया कि देश में आमतौर पर हर साल लगभग तीन से चार बार मूसलाधार बारिश होती है। हालांकि, इस साल अब तक आठ बार मानसून की चपेट में रहा है और अधिक बारिश की उम्मीद है।

192 फीसदी ज्यादा बारिश

एनडीएमए के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 30 सालों के दौरान पाकिस्तान में मानसून काल में औसत वर्षा 132.3 मिलीमीटर बारिश होती थी, जबकि इस साल 14 जून से अब तक 385.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। पिछले तीन दशकों की तुलना में लगभग 192 फीसदी अधिक है।

ट्रंप के घर छापे में रद्दी के बीच मिले थे 25 टॉप सीक्रेट दस्तावेज एफबीआई ने किया खुलासा

वॉशिंगटन, 27 अगस्त 2022। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आवास पर छापेमारी को लेकर एफबीआई ने बयान जारी किया है। एफबीआई का कहना है कि कुछ समय पहले हुई छापेमारी में ट्रंप के यहां से बरामद 15 में से 14 बक्से में वर्गीकृत रिकॉर्ड थे, इनमें से 25 दस्तावेजों को टॉप सीक्रेट के रूप में चिह्नित किया गया है। इन्हें रद्दी अखबारों व मैगजीन के बीच छिपाकर रखा गया था।

शुक्रवार को जारी एक एफबीआई हलफनामे के अनुसार, इस साल की शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फ्लोरिडा संपत्ति से बरामद किए गए 15 बक्सों में से चौदह में वर्गीकृत दस्तावेज थे। इनमें से कई शीर्ष गुप्त दस्तावेज, विभिन्न अखबारों और पत्रिकाओं और व्यक्तिगत पत्रों के बीच रखे गए थे। ट्रंप के %मार-ए-लागो एस्टेट% में इन्हें रद्दी के बीच रखा गया था। ये गोपनीय दस्तावेज अवैध रूप से यहां रखे गए थे।

करीब दो सप्ताह पहले अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के घर से फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) ने कुछ टॉप सीक्रेट सरकारी दस्तावेज बरामद किए थे। अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया था कि एफबीआई एजेंटों ने फ्लोरिडा में ट्रंप के घर की तलाशी ली थी, जिसमें कुछ गोपनीय दस्तावेजों को जब्त किया गया। यह दस्तावेज परमाणु हथियारों से जुड़े हुए थे।

ट्रंप ने किया कानून का उल्लंघन

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने गुप्त दस्तावेजों को अपने आवास में रखकर जासूसी अधिनियम का उल्लंघन किया है। एफबीआई एजेंटों ने संघीय मजिस्ट्रेट द्वारा अनुमोदित वारंट के आधार पर ट्रंप के आवास की तलाशी ली थी।

अर्जेंटीना ने दिखाई मेड इन इंडिया तेजस लड़ाकू विमान में दिलचस्पी,इन मुद्दों पर भी हुई बात

ब्यूनस आयर्स , 27 अगस्त 2022। विदेश मंत्री एस जयशंकर का अर्जेंटीना दौरा समाप्त हो गया है। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने अर्जेंटीना के मंत्रियों के साथ कई मुद्दों पर डील और चर्चा की। अपनी यात्रा के पहले दिन जयशंकर ने राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज से मुलाकात की और व्यापार संबंधों को अधिक टिकाऊ और महत्वाकांक्षी बनाने के उपायों के साथ-साथ रक्षा और परमाणु ऊर्जा में द्विपक्षीय सहयोग की संभावना पर चर्चा की।

अर्जेंटीना ने इंडिया मेड तेजस लड़ाकू विमान में दिखाई दिलचस्पी

भारत में निर्मित तेजस लड़ाकू विमान खरीदने के लिए अर्जेंटीना ने भी रुचि दिखाई है। इतना ही नहीं अमेरिका भी भारत में विकसित इस लड़ाकू विमान में दिलचस्पी दिखा रहा है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस समेत 6 देशों ने भारत के हल्के लड़ाकू विमान तेजस में रुचि दिखाई है। जबकि मलेशिया पहले ही इस विमान को खरीदने की तैयारी में है।

जयशंकर ने अर्जेंटीना के विदेश मंत्री सैंटियागो कैफिएरो के साथ की बात

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अर्जेंटीना विदेश मंत्री सैंटियागो कैफिएरो के साथ सह-अध्यक्षता में एक व्यापक और संयुक्त आयोग की बैठक की। जिसमें रणनीतिक क्षेत्रों पर व्यापक समीक्षा की गई जिसमें रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु मुद्दे बाजार पहुंच, कृषि और पशुपालन व्यापार और निवेश शामिल हैं।

इन मुद्दों पर भी हुई चर्चा

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति फर्नांडीज से मुलाकात के बाद डॉक्टर जयशंकर ने कहा कि मुझे रिसीव करने के लिए राष्ट्रपति को धन्यवाद। जयशंकर ने कहा कि अर्जेंटीना के राष्ट्रपति ने व्यापार स्तरों को अधिक टिकाऊ और महत्वाकांक्षी बनाने सहित द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने फार्मास्यूटिकल्स सहित सस्ती स्वास्थ्य सेवा के महत्व को रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा की संभावनाओं पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

पश्चिम चाहता है चीन से दूरी,लेकिन बढ़ती गई है आयात की निर्भरता

वाशिंगटन, 27 अगस्त 2022। चीन पर निर्भरता घटाने की तमाम चर्चाओं से बावजूद हकीकत यह है कि बीते दो साल में मैन्युफैक्चरिंग (कारखाना उत्पादित) वस्तुओं के मामले में अमेरिका सहित लगभग सभी पश्चिमी देशों की उस पर निर्भरता बढ़ गई है। अमेरिका के प्रतिष्ठित अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपने एक ताजा विश्लेषण में यह बात कही है। इसके मुताबिक कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में बने हालात का असल में चीन को फायदा हुआ।

इस विश्लेषण में कहा गया है- 'महामारी का असर घटने पर संभव है कि चीन को मिला फायदा खत्म हो जाए। इसके बावजूद जो ट्रेंड दिखा, उससे सामने आया कि दुनिया की इस सबसे बड़ी फैक्टरी से संबंध तोड़ना पश्चिम के लिए कितना कठिन है। इस संभावना को देखते हुए यह संबंध विच्छेद और भी मुश्किल मालूम पड़ता है कि चीनी कंपनियां अब चिप, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक कार और ग्रीन एनर्जी से संबंधित उच्च एवं नई तकनीक आधारित वस्तुओं के उत्पादन की तरफ भी बढ़ रही हैं।'

विश्लेषण में ध्यान दिलाया गया है कि अमेरिका और उसके कुछ साथी देश चीन पर अपनी निर्भरता को लेकर अधिक सचेत हो गए हैं। उन्हें अहसास हुआ है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर वैश्विक सप्लाई चेन जैसे मामलों में उनकी चीन पर अत्यधिक निर्भरता है। इन देशों ने यह निर्भरता खत्म करने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए हैं। फिर भी महामारी के दौरान चीन से हुए वहां हुए आयात में

भारी बढ़ोतरी हुई। ये वृद्धि इसके बावजूद दर्ज हुई कि चीन ने अपने देश में सख्त जीरो कोविड नीति पर अमल करना जारी रखा है, जिसका खराब प्रभाव वहां उद्योग जगत पर पड़ा है।

यूनाइटेड नेशंस कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट (अंकटाड) के मुताबिक 2019 में वस्तुओं के कुल वैश्विक निर्यात में चीन का हिस्सा 13 फीसदी था। 2021 में ये आंकड़ा 15 फीसदी हो गया। दूसरी तरफ उसके मुख्य प्रतिस्पर्धी देशों के निर्यात में गिरावट आई। 2019 की तुलना में 2021 में जर्मनी का हिस्सा घट कर 7.8 से 7.3, जापान का 3.7 से 3.4, और अमेरिका का 8.6 से 7.9 फीसदी हो गया। विशेषज्ञों के मुताबिक इन देशों का निर्यात घटने का सीधा लाभ चीन को मिला।

अंकटाड के आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया है कि महामारी के दौरान फेस मास्क, टेस्टिंग किट जैसे सस्ती मेडिकल सामग्रियों, कंप्यूटर उपकरणों आदि की मांग बहुत बढ़ गई। पश्चिमी देशों को इन सबका आयात बढ़ाना पड़ा। शुरुआत में चीन ने अपने यहां महामारी पर जल्द काबू पा लिया था। उस कारण वह निर्यात बढ़ाने की स्थिति में था। 2021 में इलेक्ट्रॉनिक्स के वैश्विक निर्यात में चीन का हिस्सा 42 फीसदी हो गया, जबकि 2019 में ये संख्या 38 फीसदी थी।

विशेषज्ञों के मुताबिक चीन को दरअसल लंबे समय से जारी ट्रेंड का फायदा मिल रहा है। लंदन स्थित टीएस लोम्बार्ड में चीन एवं एशिया संबंधी अनुसंधान विभाग के प्रमुख रोरी ग्रीन वॉल स्ट्रीट जर्नल से कहा- चीन धीरे-धीरे हाई वैल्यू उत्पादों में भी पश्चिम के बाजार पर कब्जा जमाता जा रहा है।

जिले में दो एक ही बैच के उपनिरीक्षक थाना प्रभारी, न्याय के रास्ते में लोगो के लिए रोड़ा क्यों ?

» दोनों थाना प्रभारियों के खिलाफ हो चुकी है कई शिकायतें,फिर भी थाने में जमे हुए है क्यों ?
» एक उपनिरीक्षक को जिले में आने के साथ पहला मनेंद्रगढ़ थाने का प्रभारी बनाया गया जहां आज तक हैं पदस्थ।
» वही दूसरे उपनिरीक्षक को जिले में दो थाने का थाना प्रभारी बनने का मिला मौका,दूसरे थाने में लंबे समय से है जमे।
» इन दोनों थानों के प्रभारी अपने प्रभाव से क्यों उत्पन्न करते हैं न्याय पाने की प्रथम सीढ़ी में प्रार्थी के लिए अड़चन ?
» जिले के दो थानों में पदस्थ थाना प्रभारियों के स्तरहीन कार्यप्रणाली की वजह से लोगों के न्याय पाने के रास्ता में आती है बाधा।
» उच्च अधिकारी भी दोनों उप निरीक्षक थाना प्रभारी के विरुद्ध नहीं करते कोई कार्यवाही।
» दोनों उपनिरीक्षक की शिकायत हो चुकी है पुलिस अधीक्षक से, किसने थाना प्रभारी पर एफआईआर ना लिखने की शिकायत की है तो किसने मुजरिम को गिरफ्तार ना कर खुलेआम घूमने की छूट देने की शिकायत कर चुके है।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले में कुछ दिनों के अंतराल में दो उप निरीक्षक 2019-2020 में अन्य जिले से स्थानांतरण के बाद कोरिया जिले में पदस्थ किए गए थे, इन दोनों उपनिरीक्षक की खास बात यह है कि दोनों एक ही बैच के बताए जाते हैं और यही वजह है कि एक जैसा ही काम करते हैं, दोनों की पुलिस अधीक्षक के समक्ष हुई कई शिकायतें पर भी नजर डालें तो शिकायते समान दिखती है, इनकी कार्यवाही की कार्यप्रणाली भी लगभग समान दिखती है, अभी तक के इनके कार्यकाल के सभी कार्यप्रणालियों पर नजर डाली जाए तो लगभग दोनों की कार्यवाही में समानता देखने को मिली है, दोनों की शिकायतों में भी समानता देखने को मिलेगी, दोनों के कार्यप्रणाली की वजह से न्याय पाने की आस में लोग भटकते हैं यह भी समानता देखने को मिलती है, शिकायतों के बावजूद दोनों उपनिरीक्षक थाना प्रभारी पद पर पदस्थ है और शिकायतों के बावजूद भी थाना प्रभारी के पद से कोई हटा नहीं पाया, इसकी वजह जो भी हो पर राजनीतिक पकड़ अच्छी होना बताया जाता है, दोनों का राजनीतिक रूप से पकड़ मजबूत है इसलिए उच्च अधिकारी इनके सामने मजबूर हैं।

कोरिया जिले का मनेंद्रगढ़ थाना ऐसा थाना है जहां का थाना प्रभारी बनना सभी चाहते हैं इसके लिए साम दाम दंड भेद सब लगाते हैं पर पिछले 2 सालों से इस थाना में उपनिरीक्षक का थाना प्रभारी पद पर कब्जा बना हुआ है, जिस पद पर जिले में पदस्थ कई निरीक्षक भी इस थाने के थाना प्रभारी बनने का सपना देखते देखते इस जिले से बाहर चले गए, प्रतिदिन थाना प्रभारी के पद पर बरकरार इनके खिलाफ कई पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत भी की थी, यह निष्पक्ष रुप से अपना कार्य नहीं करते मुंह देखा देखी कार्यवाही करते हैं, शिकायत तो लेते हैं पर शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध नहीं करते अपराध उन्हीं का पंजीबद्ध करते हैं जिसका इनके पास पैरवी आता है और यदि अपराध पंजीबद्ध कर भी लेते हैं तो फिर गिरफ्तारी करने में असफल रहते हैं आरोपी के सामने घूमता रहता है, ट्रांसपोर्टर पर मामला पंजीकृत हुआ था पर गिरफ्तारी आज तक नहीं हो पाई, यह पीड़ितों का शिकायतों में आरोप रहा है वहीं अवैध कारोबार की भी खबरें इस थाना क्षेत्र में खूब सुनी जाती है पर इतना सब कुछ होने के बावजूद आखिर किस के इशारों पर यह आज तक थाना के थाना प्रभारी बने बैठे हैं। कुछ कर्मचारियों ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि जितने भी पेचीदा मामले होते हैं दूसरे को यह जांच करने को दे देते हैं पर खुद से किसी मामले में जांच नहीं करते, जिसमें वाहवाही कमानी होती है उसी में ही है आगे आते हैं बाकी सारे मामले में कर्मचारियों को ही बलि का बकरा बना कर सामने करते हैं। इनके थाने के कर्मचारी भी इनके जाने का इंतजार कर रहे हैं क्योकि इनकी वजह से लोग जाँच अधिकारी को सुनाकर जाते है जांच अधिकारी इनके वजह से चाहकर भी निष्पक्ष जांच नहीं कर पते।

कुछ ऐसा ही हाल पटना में पदस्थ उप निरीक्षक का भी

कुछ ऐसा ही हाल पटना में पदस्थ उपनिरीक्षक का भी है जिनके थाना क्षेत्र में जुआ हो या एनडीपीएस की कार्यवाही हो सभी मे अनियमितता देखी गई है, एक ही स्थान पर एक घंटे में एक ही दिन में चार-चार बार छापा मार जुएं फाड़ पर कार्यवाही बताया था जो संभव नहीं है, एनडीपीएस के मामले में भी एक ही दिन में चार-चार कार्यवाही कुछ ही घंटों में दर्ज किए गए थे, अभी हाल फिलहाल में इनकी शिकायत यह भी आई की इनके द्वारा शिकायत करने आए पीड़ितों को वापस भेज दिया गया पर पीड़िता का शिकायत नहीं लिया, इनके कार्यवाही पर इनके खुद के विभाग के एक आरक्षक ने भी शिकायत कर रखी है, इसके अलावा पटना क्षेत्र में कई ऐसे कई शिकायतकर्ता है जिन्होंने इनके द्वारा किए गए कार्यवाही को अनुचित बताते हुए इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक से की है। कुछ का तो यह भी आरोप है कि यह पटना थाना क्षेत्र में जातिवाद चला रहे हैं।

महिला के साथ हुए छेड़छाड़ का भी मामला दर्ज नहीं किया

पीड़ित शिकायतकर्ता ने कहा कि मेरे साथ मारपीट व छेड़छाड़ हुई थी जिसका मैं शिकायत पटना थाना में लेकर पहुंची पर मुझे थाना के प्रभारी व मुंशी ने मेरा शिकायत लेने से मना कर दिया और मुझे एक नहीं दो दो बार थाने से वापस यह बोल कर बाहर किया गया की तुम्हारा शिकायत झूठा है, जिसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक को अपराध दर्ज करने की मांग की है व पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही करने की मांग भी की गई है।

पुलिस अधीक्षक के कहने पर भी थाना प्रभारी ने नहीं दर्ज किया एफआईआर

थाना प्रभारी नहीं लिख रहा रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक के पास पिडित पहुंचा अपनी फरियाद लेकर, पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी को कहा लिखो इसकी रिपोर्ट इसके बावजूद थाना प्रभारी नहीं लिखा रिपोर्ट, पुलिस अधीक्षक की भी बात थाना प्रभारी माननीय को नहीं है तैयार, यह मामला मनेंद्रगढ़ थाने का है जहां पीड़ित अपनी शिकायत लेकर एक नहीं चार बार थाना प्रभारी के पास गया पर थाना प्रभारी उसकी शिकायत अपराध पंजीबद्ध नहीं किया, जिसे लेकर प्रार्थी पहुंचा पुलिस अधीक्षक के शरण में, पुलिस अधीक्षक ने भी प्रार्थी की बात सुनी और उन्हें लगा कि प्रार्थी की रिपोर्ट लिखी जानी चाहिए जिसके बाद उन्होंने थाना प्रभारी को फोन पर ही रिपोर्ट लिखने को कहा पर इसके बावजूद थाना प्रभारी रिपोर्ट नहीं लिखा लगातार प्रार्थी को थाने के चक्कर कटवा या जा रहा है आखिर ऐसी क्या वजह है कि थाना प्रभारी उसकी रिपोर्ट लिखने से कतरा रहे है?

लेदरी पराडोल और बंजी बुन्देली उधनापुर मार्ग पर बना पुल चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

-राजेन्द्र कुमार शर्मा-
खड़गवां , 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।
पुल के निर्माण कार्य के गुणवत्ता कि पोल अलप वर्षा मे ही खुल रही है पुल मे जगह जगह दरारें पड गई है जिससे कभी भी कोई बडी दुर्घटना घटित हो सकती है।
इस संबंध में कृषि उपज मंडी के उपाध्यक्ष एवं किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष गुरुदेव पांडे ने ब्रिज कारपोरेशन के अनुविभागीय अधिकारी पर निर्माण कार्य में लगाया सांठगांठ कर भ्रष्टाचार करने का आरोप
जिसकी लिखित शिकायत कलेक्टर कोरिया से की गई है और प्रभारी मंत्री एवं मुख्यमंत्री से शिकायत करने की तैयारी किया जा रहा है।
लेदरी पाराडोल मार्ग पर नवनिर्मित पुल एवं बुंदेली उधनापुर मार्ग पर स्थित कोड़िया नाले का पुल का निर्माण कुछ माह पूर्व ही हुआ है परंतु दोनों ही पुल निर्माण कार्य के भ्रष्टाचार की भेट चढ गए हैं।

कृषि उपज मंडी के उपाध्यक्ष एवं किसान कांग्रेस कमेटी खड़गवां के ब्लॉक अध्यक्ष गुरुदेव पांडे ने कलेक्टर कोरिया को पत्र लिखते हुए उपरोक्त दोनों पुलों में हुए भ्रष्टाचार की जांच करने की मांग की है। पांडे ने पत्र में लिखा कि लेदरी पाराडोल मार्ग पर नवनिर्मित पुल एवं बुंदेली उधनापुर मार्ग में नवनिर्मित पुल को बने अभी कुछ ही महीने हुए हैं और अलप वर्षा मे दोनों पुलों के अप्रोच टूट कर नीचे की ओर झुक गए हैं पुल के दोनों किनारों से मिट्टी का कटाव होना प्रारंभ हो गया है साथ ही पुलों के बीच में भी दरार आ गया है जिससे दुर्घटना होने की संभावना है। ब्रिज कारपोरेशन के अनुविभागीय अधिकारी द्वारा ठेकेदार से सांठगांठ कर इन दोनों ही पुलों में भारी भ्रष्टाचार किया गया है जिसके कारण यह पुल कभी भी धस्वत हो सकता है।
पांडे ने पत्र में उल्लेख किया है कि यदि कलेक्टर कोरिया द्वारा 5 दिनों के अंदर जिला स्तरीय टीम बनाकर दोनों पुलों में हुए भ्रष्टाचार की जांच कर आरोपियों पर कार्यवाही नहीं की जाएगी तो इसकी शिकायत विभागीय मंत्री सहित मुख्यमंत्री के आगमन पर उनके समक्ष की जाएगी। साथ ही पुल में भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना होती है तो पूर्ण रूप से इसका जिम्मेदार ब्रिज कारपोरेशन के अधिकारी सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों होंगे।

नहर की मरम्मत में मिट्टी फिलिंग की बजाय बोरी से गड्ढों को भर रहा विभाग

-राजा मुखर्जी-
कोरबा , 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।
हसदेव बायीं तट नहर की मरम्मत 16 दिन बाद भी नहीं हो पाई है। अब जो हिस्सा धंसा था, वहां मिट्टी भरने की बजाय मिट्टी से भरी बोरियों से फिलिंग की जा रही है। इससे पानी का प्रेशर से फिर दबने की आशंका व्यक्त की जा रही है। नहर से अभी सिंचाई पूरी तरह बंद है। बारिश थमने के बाद अब पानी की डिमांड रही है। हसदेव बायीं तट नहर का 10 अगस्त को सीतामढ़ी के पास डक्ट किनारे का मिट्टी धंसने से आसपास की बस्तियों में पानी भर गया था। डक्ट और मिट्टी का बड़ा हिस्सा कटने के साथ ही नहर के दोनों ओर छेद होने से पानी तेज गति से जा रहा था। अब दोनों छेद को कंक्रीट से भरने के बाद मिट्टी फीलिंग करा रहे थे, लेकिन चीफ इंजीनियर एके सोमावार और अधीक्षण अभियंता डीके बूमेरकर ने मिट्टी फिलिंग को बंद करा दी, उसके स्थान पर बोरी में मिट्टी और रेत डालकर गड्ढे को पाट रहे हैं, लेकिन मुख्य नहर होने की वजह से पानी का तेज बहाव होता है, इससे फिर से नहर दबने की आशंका व्यक्त की जा रही है। विभाग के इंजीनियर ही दबी जुबान से कह रहे हैं कि, जिस तरह अस्थाई मरम्मत का काम चल रहा है, वह टिकाऊ नहीं है। इतने दिन में तो नए सिरे से नहर ही बन जाती, लेकिन बड़े अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मिट्टी फिलिंग का काम एक-दो दिन में हो जाना था।

महिला समूह की राशि निकाल रकम धोखाधी करने के मामले में एक फरार आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर , 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।
दिनांक 16.06.2019 को मानपुर स्थित क्षेत्रीय प्रबंधक स्पंदना स्फूर्ती फायनेंस कंपनी के प्रबंधक रितेश टंडन थाना सूरजपुर में लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि अजय साहू व सुनील यादव के द्वारा स्पंदना स्फुर्ती फायनेंस कंपनी के माध्यम से महिलाओं का समूह बनाकर ऋण दिया जाता था जिसे दोनों कर्मचारियों ने कस्टमर के नाम पर बिना किसी जानकारी के उनके नाम पर लोन लेकर राशि को खुद अपने उपयोग में लाया गया, इन दोनों के द्वारा 38 ग्राहकों का रकम 523914 रूपये निकाल कर धोखाधड़ी किया गया। रिपोर्ट पर दोनों आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 206/19 धारा 420, 409, 34 भादसं. का मामला पंजीबद्ध किया गया था। मामले में आरोपी सुनील यादव को पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया गया था तो वहीं अजय साहू फरार था।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने पुराने लंबित प्रकरणों में फरार आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। एसडीओपी सूरजपुर गीता वाघवानी के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर की पुलिस आरोपीं की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर से सूचना मिला कि अजय साहू को सूरजपुर में देखा गया है जिसके बाद पुलिस ने प्राप्त सूचना के आधार पर बस स्टैण्ड के पास घेराबंदी कर आरोपी अजय साहू पिता लखेश साहू उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम डेराडीह, खरसिया जिला रायगढ़ को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने धोखाधड़ी की घटना को सुनील के साथ मिलकर अंजाम देना स्वीकार किया। मामले में आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, एएसआई बजरंगी चौहान, प्रधान आरक्षक अखिलेश यादव, आरक्षक राधेश्याम साहू व लक्ष्मी नारायण मिर्रे सक्रिय रहे।

37 वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा 25 अगस्त से 8 सितंबर तक के लिए आयोजन

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।
राज्य शासन के मनसा रूप एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोरिया डॉ रामेश्वर शर्मा के निर्देशन व जिला नोडल अधिकारी अंधत्व निवारण डॉ आरएस सेगर सहायक नोडल अधिकारी अंधत्व निवारण एस एस मरावी के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना जिला कोरिया में 25 अगस्त को 37 वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ सुरेंद्र पैकरा के द्वारा चिकित्सालय में उपस्थित समस्त स्टॉप के समक्ष कीया गया, इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में पदस्थ स्टाफ नर्स कांछि संतोष साहू, बीडीएम ताज मोहम्मद व अनुराग मिश्रा के द्वारा नेत्रदान घोषणा पत्र भरकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में पदस्थ नेत्र सहायक अधिकारी वीरेंद्र कुमार साहू को सौंपा गया, इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में पदस्थ नेत्र सहायक अधिकारी वीरेंद्र कुमार साहू ने बताया कि प्रतिवर्ष 25 अगस्त से 8 सितंबर तक नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन किया जाता है इसका मुख्य उद्देश्य लोगों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाना है, एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को नेत्र ज्योति प्रदान की जा सकती है, मानव का नेत्र मृत्यु के 6 घंटे तक जीवित रहते हैं अतः जिनको भी नेत्रदान करना है वह अपने सगे संबंधियों एवं घर के सदस्यों को जानकारी दे देना चाहिए ताकि मृत्यु पश्चात निकटतम स्वास्थ्य संस्था से संपर्क करके उनके परिजन नेत्रदान कर सकें निकटतम स्वास्थ्य संस्था से डॉक्टर एवं उनकी टीम घर पर ही उनके नेत्र को संग्रहण करने हेतु पहुंच जाएंगे कुछ दिन पूर्व विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर सत्येंद्र कुमार सिंह जी के द्वारा नेत्रदान घोषणा पत्र भरकर प्रदान की गई थी की गई थी।

करतला पुलिस ने गांजा लेकर कोरबा शहर की ओर आ रहे दो युवकों को धर दबोचा

-संवाददाता-
कोरबा , 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।
करतला थाना प्रभारी एसआई राजेश चंद्रवंशी ने बताया कि उन्हें मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि एक बुलेट में सवार दो लोग गांजा लेकर हाटी से करतला होते हुए कोरबा जाने वाले हैं। सूचना पर थाना प्रभारी ने मातहतों को मुस्तैद किया और उनके साथ कोडमसरा नाला के पास घेराबंदी कर काले रंग की बुलेट में सवार होकर आ रहे दो लोगों को रोककर पूछताछ किया। इनके पास मौजूद बैग की तलाशी लेने पर 940 ग्राम गांजा पाया गया। गांजा सहित वारदात में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल को जप्त कर आरोपी विजय सिंह सारथी पिता स्व. भागबली ,निवासी सब्जी मंडी के पीछे बुधवारी तथा समीर खान पिता सन्नू खान 24 वर्ष निवासी साईं मंदिर के सामने रिकांडो चौक बुधवारी को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के विरुद्ध नारकोटिक्स एक्ट की धारा 20 बी के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

कर्मचारी अधिकारियों का आंदोलन आज भी रहेगा जारी

-संवाददाता-
सूरजपुर , 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।
कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर अपनी मूल मांग केंद्र के समान 34त्न मंहगाई भत्ता देय तिथि से बकाया ऐरियर्स सहित भुगतान करने एवं सातवें वेतनमान के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता प्रदान करने की मांगों को लेकर सूरजपुर जिले के कर्मचारी अधिकारी छठवें दिन अवकाश के दिन भी हड़ताल पर डटे हैं।
जिला संयोजक अनिल मिश्रा ने बताया कि हमने सरकार तक अपनी बातें पहुँचाई हैं।सरकार चुप्पी साधे बैठी है। आज प्रांतीय निकाय के निर्देशानुसार माननीय विधायक प्रेमनगर विधान सभा क्षेत्र,अध्यक्ष सरगुजा विकास विभाग प्राधिकरण आदरणीय खेलसाय सिंह जी को अपनी मांगों से अवगत कराकर समर्थन मांगा गया जिस पर माननीय विधायक जी ने हमारी मांगों पर अपना समर्थन प्रदान कर माननीय मुख्यमंत्री जी को समुचित समाधान करने हेतु पत्र भी लिखा है।आज अवकाश दिवस होने पर भी जिले के समस्त विकासखण्डों में सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।कल रविवार होने के साथ ही आगे भी हमारा आंदोलन अनवरत जारी रहेगा।सभी मीडिया बंधुओं को शासन तक हमारी मांगे पहुंचाने के लिए फेडरेशन द्वारा धन्यवाद दिया गया।

नगर निगम आयुक्त ने विभिन्न वार्ड एवं बस्तियों में पहुंचकर वैक्सीनेशन कैंपेन का किया सघन निरीक्षण

-संवाददाता-
कोरबा , 27 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।
नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्ड एवं बस्तियों में पहुंचकर चलाए जा रहे वैक्सीनेशन कैंपेन का सघन निरीक्षण किया। आम नागरिकों को वैक्सीन लगवाने हेतु प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्होंने अधिकारियों व वैक्सीनेशन कार्य में संलग्न टीम सदस्यों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्येक घर में पहुंचे, कोई घर छूटने न पाए, लोगों से वैक्सीनेशन की जानकारी लें तथा शेष बचे हुए लोगों को पात्रतानुसार वैक्सीन लगाते हुए निर्धारित लक्ष्य को पूरा करें। कलेक्टर संजीव कुमार झा के मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय की देखरेख में 22 अगस्त से नगर निगम क्षेत्र कोरबा

क्षेत्र के सभी वार्ड एवं बस्तियों में वैक्सीनेशन का महा अभियान संचालित किया जा रहा है द्ध यहॉं उल्लेखनीय है कि निगम क्षेत्र के सभी 67 वार्डो में एक साथ 134 टीमों के माध्यम से वैक्सीनेशन का यह कैम्पेन चलाया जा रहा है, टीम में शामिल नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका व मितानिनों ने घर-घर पहुंचकर वैक्सीनेशन कार्य सम्पन्न कराया। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने निगम के वार्ड क्र. 19, 20,21, 22 तथा कोसाबाड़ी, पं.रविशंकर शुक्ल जोन के अन्य वार्डो एवं बस्तियों में भ्रमण कर वैक्सीनेशन कार्य का जायजा लिया, आम लोगों को वैक्सीन की पात्रतानुसार खुराके लगवाने हेतु प्रोत्साहित करते हुए वैक्सीनेशन लक्ष्य प्राप्त करने के संबंध में अधिकारियों का आवश्यक मार्गदर्शन किया।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप 2022 : सात्विक-चिराग की जोड़ी ने भारत को दिलाया 13वां मेडल

नई दिल्ली ,27 अगस्त 2022। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय मेंस डबल्स जोड़ी ने शनिवार को वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022 में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से 22-20, 18-21,16-21 से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत का वर्ल्ड चैंपियनशिप में डबल्स में दूसरा मेडल है। इससे पहले ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने 2011 में वुमेंस डबल्स में मेडल जीता था। वर्ल्ड चैम्पियनशिप में मेंस डबल्स में भारत का यह पहला और अब तक का कुल 13वां मेडल है।

यह सात्विक और चिराग की मलेशियाई जोड़ी के हाथों लगातार छठी हार है। इस महीने के शुरू में राष्ट्रमंडल खेलों के मिश्रित टीम फाइनल में भी उन्हें इस जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बावजूद भारतीय जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और भारत का एक पदक सुनिश्चित किया। भारत ने 2011 के बाद इस प्रतियोगिता में हमेशा पदक जीता है। पीवी सिंधू ने 2019 में स्वर्ण पदक सहित इस प्रतियोगिता में कुल पांच पदक जीते हैं जबकि साइना नेहवाल ने एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया है। इनके अलावा किदांबी श्रीकांत ने रजत, लक्ष्य सेन, बी साई प्रणीत और प्रकाश पादुकोण ने कांस्य पदक जीते हैं।

डायमंड लीग में पहले स्थान पर रहे नीरज

लुसाने ,27 अगस्त 2022। टोक्यो ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने चोट के बाद शानदार वापसी करते हुए लुसाने डायमंड लीग में 89.08 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ जैवलिन-थ्रो प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया।

नीरज इस थ्रो के साथ डायमंड लीग का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। साथ ही उन्होंने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जो सात और आठ सितंबर को ज्यूरिख, स्विटजरलैंड में होगी। वह अब 2023 विश्व चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर चुके हैं।

नीरज का पहला थ्रो ही उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। इसके बाद उन्होंने दूसरे प्रयास में 85.18 मीटर की दूरी पर भाला फेंका, जबकि तीसरा प्रयास उन्होंने नहीं किया। चौथे प्रयास में फाउल करने के बाद नीरज ने पांचवां प्रयास भी छोड़ा और फिर छठे प्रयास में 80.04 मीटर के थ्रो के साथ मुकाबला समाप्त किया।

चेक गणराज्य के जेकब वालेज ने 85.88 मीटर फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने 83.72 मीटर फेंककर तीसरा स्थान हासिल किया।

अमेरिका के ओरेगॉन में इस साल विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने के बाद नीरज की यह पहली प्रतियोगिता थी। विश्व चैंपियनशिप में कमर में चोट लगने के बाद वह राष्ट्रमंडल खेल 2022 में हिस्सा नहीं ले सके थे।

नीरज का 89.08 मीटर का प्रयास उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो भी है।

हरियाणा के पानीपत से आने वाले नीरज डायमंड लीग का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गये हैं। साथ ही वह डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय भी हैं।

भारत-पाकिस्तान का मैच सिर्फ एक मैच है:गांगुली

कोलकाता ,27 अगस्त 2022। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने एशिया कप 2022 की शुरुआत से पहले कहा है कि भारत-पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ एक मैच है और भारतीय टीम के पास दबाव से निपटने का अनुभव है।

बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, भारत बनाम पाकिस्तान मैच सिर्फ एक और मैच है। ऐसे मैच हम नियमित रूप से खेलते हैंज या जब मैं खेलता था तो मैं पाकिस्तान के साथ मैच को कोई खास मैच नहीं मानता था।

गांगुली ने कहा कि नॉकआउट मैचों में अतिरिक्त दबाव रहता था, लेकिन ग्रुप लीग में ऐसा कोई

दबाव नहीं था। उन्होंने एशिया कप में पसंदीदा टीम को लेकर कहा कि कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के पास किसी भी दबाव की स्थिति से निपटने का पर्याप्त अनुभव है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और के एल राहुल अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे किसी भी दवाब से निपटना बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। यह उनके लिए कोई बड़ी बात नहीं है। गांगुली ने विराट कोहली की फॉर्म के बारे में कहा, विराट बहुत बड़ा खिलाड़ी है। उनके पास रन बनाने का अपना एक फॉर्मूला है। वह बहुत जल्द अपनी पुरानी फॉर्म में लौट आएंगे। हम सभी को यही आशा है। उन्होंने विश्व कप और एशिया कप में भारत की संभावना पर कहा, मुझे उम्मीद है कि आने वाले विश्व कप में भारत अच्छा प्रदर्शन करेगा।

कश्मीर में 28वीं मास्टर्स राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में देशभर से जुटे 1500 खिलाड़ी

जम्मू-कश्मीर , 27 अगस्त 2022। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंडोर स्टेडियम में आयोजित 28वीं मास्टर्स राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में 28 राज्यों से 1500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। दरअसल हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर में हुए खेल सुविधाओं के तेज विकास को देखते हुए इस बार इस केंद्र शासित प्रदेश को इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का मौका मिला है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए जम्मू-कश्मीर टेबल टेनिस एसोसिएशन को राष्ट्रीय मास्टर्स प्रतियोगिता का श्रीनगर में आयोजन कराने के लिए बधाई दी और कहा कि इससे खेल और स्थानीय खिलाड़ियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने 28 राज्यों के 1500 खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी उपस्थिति देश में सकारात्मक संदेश भेज रही है कि जम्मू-कश्मीर खेलों को बढ़ावा देने में किसी से पीछे नहीं है।

दूसरी ओर देशभर से श्रीनगर आये खिलाड़ियों की बात करें तो सभी यहां का माहौल इंज्वॉय कर रहे हैं। देखा जाये तो खेलों में उम्र कोई बाधा नहीं होती यह बात यहां आये खिलाड़ियों को देखकर पक्के तौर पर कही जा सकती है क्योंकि देशभर से आये खिलाड़ियों में युवा से लेकर 72 साल तक के खिलाड़ी शामिल हैं। खेल के आयोजकों और खिलाड़ियों से जब बात की तो सभी ने कहा कि कश्मीर खेलों की दुनिया में खूब नाम कमा सकता है। कई खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में पहली बार भाग लेने पर खुशी का इजहार भी किया। हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर में 2019 में अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद सकारात्मक बदलाव शुरू हुआ और पिछले तीन वर्षों में इस केंद्र शासित प्रदेश में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों के आयोजन किये गये हैं।

भारतीय जुडोका लिन्थोई चनंबम ने रचा इतिहास

भारत को मिला पहला स्वर्ण पदक

नई दिल्ली ,27 अगस्त 2022। जूडो खिलाड़ी लिन्थोई चनंबमन ने इस साल इतिहास रच दिया है। महज 15 साल की चनंबम ने बोस्निया-हर्जेगोविना के साराजेवो में वर्ल्ड कैडेट जूडो चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत देश का नाम रौशन कर दिया है। बता दें कि चनंबमन वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाली भारत की पहली जुडोका हैं।

साल 2019 के अंत में शुरू हुआ कोरोना पूरी दुनिया में तेजी साल 2021 तक पूरी दुनिया में फैल गया था। साल 2021 मार्च में जूडो इंटरनेशनल ग्रैंड प्रिक्स टूर्नामेंट का आयोजन जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में आयोजित की गई थी लेकिन कोरोना के मामले तेजी से फैलने के कारण देश में लॉकडाउन लगा दिया गया जिससे टूर्नामेंट को रद्द करना पड़ा और सबकुछ बंद हो गया।

इस दौरान हिस्सा ले रहे कई खिलाड़ी वहीं पर फंस गए जिनमें से भारत के भी कुछ खिलाड़ी शामिल थे। इनमें भारत की 13 साल की मणिपुर की जूडो की

खिलाड़ी लिन्थोई चनंबम अपनी साथी खिलाड़ी देव थापा और जसलीन सैनी के साथ वहीं पर थी लेकिन न हाथ में पैसे थे और न ही फोन जिससे भारत में अपने माता-पिता से बात की जाए।लिन्थोई चनंबम को पता नहीं था कि वह अपने देश कब लौटेगी। बता दें कि वह 8 महीने तक जॉर्जिया में रहीं थी और फिर वापस अपने देश लौटी थी।

साल 2022 में रच दिया इतिहास

जूडो खिलाड़ी लिन्थोई चनंबमन ने इस साल इतिहास रच दिया है। महज 15 साल की चनंबम ने बोस्निया-हर्जेगोविना के साराजेवो में वर्ल्ड कैडेट जूडो चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत देश का नाम रौशन कर दिया है। बता दें कि चनंबमन वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाली भारत की पहली जुडोका हैं। उन्होंने ब्राजील की बियांका रेस को हराकर 57 किलोग्राम कैटेगरी में गोल्ड हासिल किया है। लिन्थोई चनंबमन का जन्म मणिपुर के इंफाल में एक किसान परिवार में हुआ था। खेल की प्रेरणा उन्हें अपने चाचा से मिली। इससे पहले भी लिन्थोई चनंबम ने गोल्ड जीता है। चनंबम ने नेशनल कैडेट जूडो चैंपियनशिपमें गोल्ड मेडल जीता था वहीं एशियाय-ओशिनिया कैडेट जूडो चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था।

विक्रम वेधा के टीजर को 24 घंटे में मिले 22.4 मिलियन व्यूज

ऋतिक रोशन और सैफ अली खान अभिनीत आगामी फिल्म विक्रम वेधा के टीजर को हर तरफ से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म का टीजर, जो एक संपूर्ण मनोरंजन पैकेज होने का वादा करता है, सभी प्लेटफार्मों पर 22.4 मिलियन बार देखा जा चुका है।

इसके अलावा, इसने यूट्यूब और माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर की ट्रेंडिंग लिस्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसे यूट्यूब (9.4 लाइक्स और काउंटिंग) पर एक मिलियन के करीब लाइक्स मिल चुके हैं। टीजर को उद्योग और दर्शकों से भरपूर प्रशंसा मिली है।

टीजर के लिए चीयर करने वालों में विक्की कौशल, अभिषेक बच्चन, करीना कपूर खान, राकेश रोशन, सारा अली खान, आलिया भट्ट, जोया अख्तर, सोनाक्षी सिन्हा, वाणी कपूर, कैटरीना कैफ, कृति सनोन, वरुण धवन, परिणीति चोपड़ा और सुनिधि चौहान जैसी बी-टाउन हस्तियां शामिल हैं। फिल्म एक नेक पुलिस वाले विक्रम (सैफ अली खान) और खतरनाक गैंगस्टर वेधा (ऋतिक रोशन) की एक दिलचस्प कहानी प्रस्तुत करती है। यह फिल्म 2017 में विजय सेतुपति और आर माधवन-स्टारर इसी नाम की फिल्म का रूपांतरण है और इसे एक ही निर्देशक पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित किया गया है।

पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना एक्टिंग स्कूल में काम करने जैसा : खुशबू आत्रे

वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिसः अधुरा सच में पंकज त्रिपाठी के किरदार माधव मिश्रा की पत्नी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री खुशबू आत्रे ने बताया कि तीसरे सीजन में अपने सह-कलाकार के साथ काम करना कैसा रहा।

अभिनेत्री ने साझा किया, पिछले सीजन में, वे नवविवाहित थे और अब लोगों को यह देखने को मिलेगा कि शादी के कुछ समय बाद क्या होता है। पंकज जी एक बहुत ही सरल व्यक्ति हैं। वह बहुत आसान और मिलनसार हैं। इसलिए, यह स्क्रीन पर भी बहुत सहज दिखता है। वह अपने आप में एक अकादमी है। राजी, अवैध-न्याय, आदेश से बाहर और अन्य में काम करने वाली अभिनेत्री ने खुलासा किया कि तीसरे सीजन में उनका चरित्र रत्ना कैसे विकसित होगा।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि किसी भी किरदार की तैयारी करते समय ईमानदारी सबसे जरूरी है। रत्ना बहुत वास्तविक और ईमानदार हैं इसलिए मैं इसे हासिल करने की कोशिश करती हूं।

शो के बारे में जानकारी देते हुए, वह कहती हैं, यह माधव मिश्रा की अब तक की सबसे कठिन कास्ट होने जा रही है। इस सीजन में, शो बड़ा और बेहतर होता जाता है क्योंकि वकील अपने करियर के सबसे कठिन मामलों में से एक को निपटाता है। उसका सामना होता है श्वेता बसु प्रसाद द्वारा अभिनीत एक सहायक लोक अभियोजक लेखा से। यह एक बहुत ही अच्छा अनुभव था। सभी सह-कलाकार जो करते हैं उसमें, बहुत अद्भुत है और सेट पर वाइब बहुत ही घरेलू था।

अपनी आगामी परियोजनाओं के बारे में बात करते हुए, वह साझा करती है, मैंने इस महीने यूके में एक फीचर फिल्म की शूटिंग की, जो अगले साल आएगी। फिर पाइपलाइन में कुछ लघु फिल्में हैं और एक अन्य परियोजना शूटिंग के लिए तैयार है। इसके अलावा मैं नियमित रूप से थिएटर और नाटक कर रही हूं।

बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, रोहन सिप्पी निर्देशित इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, गौरव गेरा, स्वास्तिका मुखर्जी, श्वेता बसु प्रसाद और पूरब कोहली हैं।

पठान के फर्स्ट लुक में जॉन अब्राहम खलनायक के रूप में लग रहे शानदार

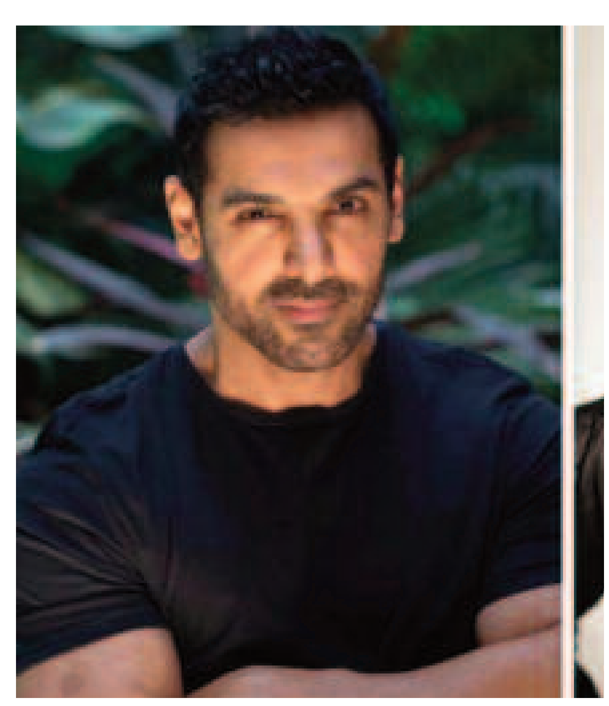

बहुप्रतीक्षित फिल्म पठान के खलनायक के रूप में बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम का एक नया मोशन पोस्टर अनावरण किया गया। यह एक बम विस्फोट के साथ शुरू होता है और फिर अभिनेता को धुएं के पीछे, चिंगारी और आग की लपटों के बीच एक बंदूक पकड़े हुए दिखाया जाता है।

फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक बयान में कहा, पठान की हर घोषणा प्रशंसकों और दर्शकों के लिए बड़ी उत्सुकता है, जो हमारी रिलीज के दिन तक चलती रहेगी। हम चाहते हैं कि पठान का हर पहलू मुख्य रूप से चर्चा का विषय बने, क्योंकि सौभाग्य से, हमारे पास कंटेंट है।

जॉन को खलनायक के रूप में लेने के अपने निर्णय के बारे में बात करते हुए, निर्देशक ने कहा, जॉन अब्राहम पठान में खलनायक हैं। और मैंने हमेशा इस बात में विश्वास किया है कि खलनायक को प्रस्तुत उतना ही बड़ा होना चाहिए, जितना नायक का कद बड़ा होता है। फिल्म को जिस तरह की प्रतिक्रिया मिली है, उससे निर्देशक खुश हैं। शाहरुख, दीपिका पादुकोण और अब जॉन का पहला लुक वास्तव में उस बात का प्रतिनिधित्व करता है, जो हम चाहते हैं कि लोग देखें।पठान 25 जनवरी, 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

मैं हमेशा से अक्षय सर की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं:रकुल प्रीत सिंह

अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत बहुप्रतीक्षित क्राइम-थ्रिलर कठपुतली को लेकर दर्शकों के मध्य निरंतर उत्साह बढ़ने लगा है। टीज़र और ट्रेलर और साथ ही मूवी का पहला गाना पूरे सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है और विश्वभर में लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रहा है।

पहली बार इस मूवी के माध्यम से अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के लिए मिलने वाली है। अक्षय कुमार के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, रकुल प्रीत ने बोला है कि, मैं हमेशा से अक्षय सर की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। रकुल प्रीत ने बोला है कि उन्होंने अक्षय कुमार के अनुशासन के बारे में केवल सुना था, लेकिन अब इसे देख भी लिया है। मुझे लगता है कि जब अपने काम से प्यार करने, अपने काम का सम्मान करने और उसकी हर प्रक्रिया में लगन से शामिल होने की बात आती है तब वे बहुत अद्भुत हैं। अपनी बात जारी रखते हुए रकुल बोलती है कि अक्षय सर के बारे में जो चीज मुझे पसंद है, वह है सेट पर उनकी ऊर्जा, जो सभी को एक साथ ले आती है और यही मैंने सीखा है, इसलिए, कुल मिलाकर, यह एक अद्भुत अनुभव भी किया है।

संक्षिप्त समाचार

आत्मदाह करने पेट्रोल लेकर स्क्क ऑफिस पहुंचा युवक

जबड़ापारा, 27 अगस्त 2022। एक युवक एसपी ऑफिस के बाहर पेट्रोल लेकर आत्मदाह करने पहुंचा था, जिसे पुलिसकर्मियों ने रोका. एसपी दफ्तर के पुलिसकर्मियों ने युवक से पेट्रोल से भरा बोतल छीनकर समझाइश दी. युवक ने बताया कि पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर वह सुसाइड करने एसपी ऑफिस पहुंचा था.

जबड़ापारा निवासी पीड़ित अमितेश मिश्रा ने पत्नी और ससुराल वालों पर ब्लेकमेल का आरोप भी लगाया है. उन्होंने बताया कि शादी के बाद एक महीने से पत्नी घर से गायब है. पुलिस से कई बार गुहार लगा चुका है. सरकंडा थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज है. युवक ने बताया कि उनकी पत्नी रायपुर में रहती है और वह दूसरी शादी कर ली है.

चाकू लहराते दो युवक पकड़ाए

रायपुर, 27 अगस्त 2022। राजधानी पुलिस के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चाकू लहराते दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने इंडोर स्टेडियम के पास चाकू लहराते हुए आरोपी मोहम्मद कासीम 32 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से चाकू जब्त किया है। इसी तरह सिविल लाइन पुलिस ने शिव चौक राजेन्द्र नगर में आरोपी राहुल बाग 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से भी चाकू जब्त किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफपुलिस ने धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

तिजहारिन माताओं-बहनों का मायका बना सीएम हॉउस

तीजा-पोरा तिहार की दिखी धूम,ऐसे मना रहे जश्न

रायपुर, 27 अगस्त 2022।

सीएम हॉउस में आज तीजा-पोरा तिहार की धूम देखने को मिल रही है. इसके लिए पूरे मुख्यमंत्री निवास को पारम्परिक रूप में सजाया गया है. तीन दिनों तक चलने वाले छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तीजा पोरा त्यौहार की शुरुआत के साथ ही बहन- बेटियां तीजा का त्यौहार मनाने के लिए अपने मायके का रुख कर रही हैं।

माता, बहनों- बेटियों के स्वागत के लिए आज मुख्यमंत्री निवास में भी आकर्षक साज-सज्जा की गई है। पूरे प्रदेश से माताएं बहनें तीजा का उत्सव मनाने के लिए मुख्यमंत्री निवास में एकत्र हो रही हैं। आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का घर तिजहारिनों का मायका बन गया है। तीज त्योहार के मौके पर मायके आने वाली बहन- बेटियों के चेहरे पर खुशी और संतोष की जो मुस्कान नजर आती है वही मुस्कान यहां हर महिला के चेहरे पर नजर आ रही है।

तीजा-पोरा तिहार के लिए पूरे मुख्यमंत्री निवास की पारम्परिक रूप में भव्य सजावट की गई है। मुख्य मंडप में प्रवेश के तीन द्वार बनाए गए हैं। मुख्य द्वार को पोरा पर्व के प्रतीक पारंपरिक नांदिया बैला से सजाया गया है। मुख्य द्वार के सामने पारम्परिक झूले- रईचुल, बैलगाड़ी, बस्तर जनजातीय आर्ट और छत्तीसगढ़ी जन-जीवन से जुड़े चित्रों का प्रदर्शन किया गया है। मध्य द्वार को पोरा पर्व से जुड़े पारम्परिक बर्तनों से बनाया गया है। मध्य और तीसरे द्वार के बीच की गैलरी को रंग-बिरंगे मटकों और रंगीन टोकनी के द्वारा आकर्षक कलेवर दिया गया है। तीसरे द्वार की सजावट पर सरगुजा अंचल की संस्कृति की छाप है।

ग्रामीण परिवेश की झलक और खूबसूरत सेल्फी जोन

मुख्य मंडल के पूर्वी हिस्से में छत्तीसगढ़ी ग्रामीण परिवेश को दर्शाते एक मिट्टी का घर बना है। इसकी साज-सज्जा में पोरा से जुड़े विभिन्न प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया है। घर के द्वार पर तुलसी चौरा और नन्दी बनाए गए हैं। यहां ग्रामीण जीवन मे उपयोग में आने वाले बर्तन व अन्य वस्तुओं जैसे पोरा, कढ़ाही, सुराही, बेलन-चौकी, ढकना, बाल्टी, चूल्हा आदि के मिट्टी के छोटे प्रतीकों सहित लकड़ी के नागर, बैलगाड़ी का चक्का और झाड़ू रखे हैं। इस घर की खिड़की में भी सेल्फी ज़ोन बनाया गया है। घर के बगल में मंदिर बना है जहां रखे शिवलिंग की मुख्यमंत्री सहित वहां मौजूद महिलाओं ने पूजा-अर्चना की।

भगवान शिव और नंदी बैल की पूजाभगवान शिव और नंदी बैल की पूजा

त्योहार के लिए मुख्यमंत्री निवास को तिजहारिन महिलाओं का मायका बना दिया गया था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी पत्नी मुक्तेश्वरी बघेल ने कांग्रेस की महिला सांसदों-विधायकों और पूरे प्रदेश से आई माताओं बहनों के साथ भगवान शिव, नंदी बैल और चुंकिया-पोरा की पूजा की और प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की।

हाथों में मेहंदी, पैर में माहुर और चेहरे पर मुस्कानहाथों में मेहंदी, पैर में माहुर और चेहरे पर मुस्कान

मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री निवास में आई थी जीजा हरि माताओं बहनों ने यहां हाथों में मेहंदी सजाई और पैर में माहूर लगाया। जब बेटी अपने मायके आती है तो वह कुछ इसी तरह साज श्रृंगार कर तीजा के त्यौहार में शामिल होती है। इस दौरान उनके चेहरे पर एक अलग ही मुस्कान खिली नजर आ रही थी जो इस पूरे माहौल को और भी खूबसूरत बना रही थी।

फुगड़ी-कबड्डी और जलेबी दौड़ का उत्साहफुगड़ी-कबड्डी और जलेबी दौड़ का उत्साह

तीजा-पोरा तिहार के मंडप में महिलाओं के बीच फुगड़ी जैसी प्रतियोगिताएं भी हुईं। इसमें महिलाओं के कई समूहों ने हिस्सा लिया। चम्मच दौड़, जलेबी दौड़, बोरा दौड़ की प्रतियोगिताओं ने प्रतिभागियों के साथ दर्शकों को भी खूब हंसाया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में किया NIA कार्यालय का उद्घाटन

रायपुर, 27 अगस्त 2022। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में NIA कार्यालय का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण शाखा सेक्टर 24 में स्थित है. उद्घाटन के दौरान सीएम भूपेश बघेल , गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और NIA के महानिदेशक दिनकर गुप्ता भी उपस्थित हैं. थोड़ी देर बाद में, शाह पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में %मोदी एट 20: ड्रीम्स मीटिंग डिलीवरी% विषय पर एक सेमिनार में भाग लेंगे। शाम सात बजकर 20 मिनट पर दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

बता दें कि सुकमा और बीजापुर जिलों की सीमा पर नक्सली हमले में 22 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने के बाद शाह ने पिछली बार अप्रैल 2021 में छत्तीसगढ़ का दौरा किया था।

होटल में लगी भीषण आग,हर तरफ मची चीख-पुकार,काले धुएं का गुब्बार दिखा

राजनांदगांव, 27 अगस्त 2022। राजनांदगांव शहर के पुराना बस स्टैंड के पास स्थित बजरंग होटल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया. आगजनी की इस घटना में होटल पूरी तरह जलकर ख़ाक हो गया. घटना के बाद 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

जानकारी के मुताबिक, ये हादसा शनिवार सुबह 3 से 4 बजे के आस-पास हुआ है। आगजनी की इस घटना के कारण होटल में रखा सारा सामान जल गया है। लाखों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। राहत की बात बस ये है कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की फिलहाल जांच चल रही है।

बता दें कि होटल में गैस के सिलेंडर रखे हुए थे, जिसके कारण वहां लोग दहशत में थे, वहीं पुराना बस स्टैंड होने के कारण वहां कई गाड़ियां भी रखी हुई थीं, हालांकि किसी तरह से सिलेंडरों को होटल से बाहर निकाल लिया गया था, जिससे कोई बड़ा हादसा होने से टल गया।

सिविल सर्जन को हटाने से भड़के डॉक्टर, OPD में लगा दिया ताला

धमतरी, 27 अगस्त 2022। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में सिविल सर्जन को हटाने को लेकर डॉक्टरों में भारी आक्रोश है। नाराज डॉक्टरों ने ओपीडी सहित सभी स्वास्थ्य सेवाओं को ठप कर दिया है। जिला अस्पताल की ओपीडी में ताला जड़ दिया है। सरकारी डॉक्टरों ने कलेक्टर और एसपी पर दादागिरी का आरोप लगाया है।

नक्सलियों ने शक के चलते ग्रामीण को उतारा मौत के घाट, पर्चा फेंककर दी ये हिदायत

नारायणपुर, 27 अगस्त 2022। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के एक गांव में नक्सलियों ने ग्रामीण को मौत के घाट उतार दिया। नक्सलियों ने मुखबिरी के शक इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है.

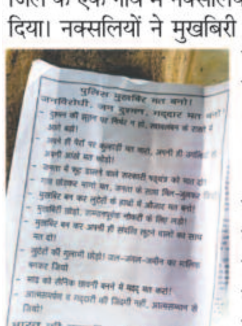

मिली जानकारी के अनुसार, 27 अगस्त की रात को 10 से 12 हथियार बंद नक्सलियों ने फरसगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत कड़हा गांव के ग्रामीण रामलाल पोटाई को उसके घर से अगवा कर लिया और मुखबीरी के शक के चलते धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी.

नक्सलियों ने इसके साथ ही पर्चा फेंककर पुलिस की मुखबिरी न करने की हिदायत दी। हत्या के बाद ग्रामीण का शव गांव के पास ही फेक दिया गया। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने फरसगांव थाना में इसकी जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर फरसगांव थाना से थाना प्रभारी के साथ जवानों का दल घटना स्थल रवाना हो गया हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)